NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 16 अंकः 45 लखनऊ, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 मूल्यः 02 रूपये पृष्ठ- 08

राष्ट्रपति गाइ परमेलिन से मुलाकात के बाद बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वैश्विक शांति और संस्थाओं में सुधार जरूरी

एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विस राष्ट्रपति गाइ परमेलिन ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता कर वैश्विक शांति और संस्थागत सुधारों पर जोर दिया। व्यापार समझौते के तहत अगले 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर के निवेश और 10 लाख रोजगार का लक्ष्य रखा गया। साथ ही रक्षा, व्यापार और युवाओं के लिए मोबिलिटी साझेदारी मजबूत करने पर भी सहमति बनी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपना सहयोग जारी रखेंगे। सोमवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में स्विस राष्ट्रपति गाइ परमेलिन के साथ बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश बढ़ती अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार को महत्वपूर्ण मानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। हम वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, भारत

ने शांति की दिशा में हर सार्थक प्रयास का लगातार समर्थन किया है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं में सुधार आवश्यक है।स्विस गणमान्य व्यक्ति का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा मुझे स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। मैं भारत–स्विट्जरलैंड संबंधों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। पिछले साल अक्टूबर में, उनके व्यक्तिगत सहयोग से, हमने ध्ज। देशों के साथ ऐतिहासिक व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह किसी यूरोपीय आर्थिक समूह के साथ भारत का पहला थ्ज। है। यह निवेश, नवाचार, रोजगार और आपसी समृद्धि का एक महत्वाकांक्षी खाका भी है। इसके साथ, हम अगले 15 वर्षों में भारत में 100 बिलियन डॉलर का निवेश हासिल करेंगे और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करेंगे।ष द्विपक्षीय संबंधों के सदियों पुराने होने पर जोर देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 19वीं सदी में स्विस आल्प्स और हिमालय के बीच समानताएं देखी थीं, जबकि महात्मा गांधी ने भी इस देश में समय बिताया था, जिससे समकालीन संबंधों में ये ऐतिहासिक यादें जीवित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्आज, नवाचार, बुनियादी ढांचा और उन्नत तकनीक हमारी दोस्ती के मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। आज के शिखर सम्मेलन के साथ, हम अपनी साझेदारी को नई गति और ऊंचाई देने जा रहे हैं।ष प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्होंने और राष्ट्रपति पार्मेलिन ने सैन्य आदान–प्रदान, रक्षा विनिर्माण और सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशे हैं, साथ ही परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों का विस्तार करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि हमने स्विट्जरलैंड में भारत के निर्यात के लिए बाजार तक पहुंच बढ़ाने और दोनों देशों के बीच निवेश को और आसान बनाने के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। इससे स्विट्जरलैंड को भारत के कृषि, फार्मा, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। साथ ही, हम भारत के अहम क्षेत्रों जैसे बायोटेक, लाइफ साइंसेज, बैंकिंग, इंश्योरेंस, फूड प्रोसेसिंग और सस्टेनेबिलिटी में नया स्विस निवेश आकर्षित करेंगे। आपसी रिश्तों को द्विपक्षीय संबंधों की मुख्य ताकत बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा आज साइन किए गए माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट और यंग प्रोफेशनल्स एग्रीमेंट से स्विट्जरलैंड में भारतीय छात्रों, शोधकर्ताओं, प्रोफेशनल्स और युवाओं के लिए कई नए मौके खुलेंगे।

ओबीसी, दलितय ब्राह्मण और ठाकुर चेहरों का संतुलन, भाजपा के राज्यसभा दांव में 2027 का संदेश

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए भाजपा ने आठ प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। प्रत्याशियों में पार्टी ने पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित, ब्राह्मण, ठाकुर और महिला प्रतिनिधित्व का संतुलन रखने के साथ संगठन में सक्रिय चेहरों को संसद भेजने का फैसला किया है। भाजपा ने धर्मपाल सिंह लोधी, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को प्रत्याशी बनाया है। इनमें कई चेहरे संगठन में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में राज्यसभा के जरिये पार्टी ने एक तरफ अनुभवी संगठनकर्ताओं को सम्मान दिया है तो दूसरी तरफ अलग–अलग सामाजिक समूहों तक राजनीतिक संदेश पहुंचाने की कोशिश की है।गैर–यादव पिछड़े वर्ग को संदेश धर्मपाल सिंह और प्रकाश पाल के जरिये भाजपा ने गैर–यादव पिछड़े वर्ग को संदेश दिया है। प्रकाश पाल पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। वहीं धर्मपाल सिंह लंबे समय से भाजपा संगठन और सरकार में मंत्री के रूप में सक्रिय भूमिका में हैं। सपा का पीडीए प्रयोग पिछड़े वर्गों को अपने साथ जोड़ने पर केंद्रित है। ऐसे में भाजपा के लिए गैर–यादव पिछड़े वर्गों का समर्थन बनाए रखना वर्ष 2027 की बड़ी चुनौती है।इसी तरह श्रुति गंगवार का नाम इसी सामाजिक रणनीति से जुड़ा दिखता है। झारखंड के राज्यपाल एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता संतोष गंगवार की बेटी श्रुति को राज्यसभा भेजकर भाजपा ने महिला प्रतिनिधित्व, नई पीढ़ी और कुर्मी समाज को एक साथ संदेश देने की कोशिश है।बरेली–रुहेलखंड के क्षेत्रीय समीकरण के हिसाब से भी ये अहम है।दलित समाज को साधने की कोशिशभाजपा ने प्रियंका सिंह रावत और विद्यासागर सोनकर के रूप में दलित प्रतिनिधित्व को भी जगह दी है। प्रियंका रावत पासी समाज से आती हैं और बाराबंकी क्षेत्र में उनकी राजनीतिक पहचान रही है। वहीं विद्यासागर सोनकर लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं। दोनों नामों के जरिये पार्टी का प्रयास दलित समाज में अपने आधार को व्यापक बनाने का है।इनके साथ राधाकांत ओझा व गोपी कृष्ण पांडेय के जरिये ब्राह्मण समाज और राम प्रताप सिंह चौहान के नाम से ठाकुर समाज को भी प्रतिनिधित्व मिला है। राम प्रताप सिंह संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इस तरह सूची में किसी एक जातीय समूह को अत्यधिक महत्व देने के बजाय भाजपा ने अपने व्यापक सामाजिक गठबंधन का संतुलन कायम रखने की कोशिश की है।राज्यसभा चुनाव में असली राजनीतिक परीक्षा आठवीं सीट को लेकर होगी।

भाजपा सरकार ने नौजवानों का भविष्य बोली लगाकर बेचा - आराधना मिश्रा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश के नौजवानों का भविष्य बोली लगाकर बेच दिया है। उत्तर प्रदेश पर लगा यह बदनुमा दाग भाजपा सरकार की रवानगी के साथ ही जाएगा।आराधना मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के करोड़ों नौजवान अपने और उत्तर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए मेहनत करते हुए भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन उन्हें परीक्षा परिणाम के बजाय पेपर लीक, परीक्षा निरस्त होने, भर्ती प्रक्रिया में देरी और अपने चहेतों को भर्ती कराने के आरोपों का सामना करना पड़ता है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं की स्थिति युवाओं की चिंता बढ़ा रही है। एक ओर उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती–2025 में नियुक्ति पत्र जारी करने पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगाई है, वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की अवर अभियंता भर्ती के अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया पूरी होने और दस्तावेज सत्यापन की तारीख घोषित होने का इंतजार करते हुए धरना देने को मजबूर हैं।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक भर्ती–2025 के लिए 15 लाख 75 हजार 706 आवेदन प्राप्त हुए थे और लिखित परीक्षा में करीब 10.77 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा के बाद 12,733 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए सफल घोषित किया गया और 14 जुलाई को अंतिम परिणाम जारी किया गया। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि प्रोविजनल और अंतिम उत्तर कुंजी में कई प्रश्नों के उत्तर बदल दिए गए। प्रत्येक प्रश्न 2.5 अंक का होने के कारण उत्तर बदलने से कई अभ्यर्थियों के परिणाम प्रभावित हुए। आपत्तियां दर्ज कराने के बावजूद उचित निस्तारण नहीं होने का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने बताया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अक्टूबर को नियुक्ति पत्र जारी करने पर रोक लगाते हुए मामले की अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को निर्धारित की है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की अवर अभियंता भर्ती के अभ्यर्थी भी आंदोलन कर रहे हैं। विज्ञापन संख्या 08द 2024 के तहत सात मार्च 2024 को भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई थी। अभ्यर्थियों

का कहना है कि प्रक्रिया लंबी खिंचने के कारण उनका भविष्य अधर में है और वे दस्तावेज सत्यापन तथा भर्ती के अगले चरण की तारीख घोषित होने का इंतजार कर रहे हैं। अभ्यर्थी सोमवार को पिकप भवन पर धरना देकर भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने और संबंधित तारीख घोषित करने की मांग कर रहे हैं।आराधना मिश्रा ने कहा कि यह केवल दो भर्तियों की कहानी नहीं है। उनके अनुसार प्रदेश में भर्ती परीक्षाओं को लेकर विवादों का सिलसिला भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से लगातार सामने आता रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती में 60,244 पदों के लिए करीब 48 लाख से अधिक आवेदन आए थे, लेकिन फरवरी 2024 में पेपर लीक के आरोपों के बाद परीक्षा निरस्त करनी पड़ी। इसी तरह समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा में करीब 10.76 लाख अभ्यर्थी पंजीकृत थे और पेपर लीक के बाद परीक्षा निरस्त कर दी गई।उन्होंने आरोप लगाया कि उपनिरीक्षक, पुलिस कांस्टेबल, समीक्षा अधिकारी–सहायक समीक्षा अधिकारी और शिक्षक भर्ती समेत कई भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाएं विवादों में घिरी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं का सरकार से सीधा सवाल है कि भर्ती कैलेंडर समय पर क्यों नहीं चलता, पेपर लीक क्यों होते हैं, परीक्षाएं बार–बार विवादों में क्यों आती हैं और चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति के लिए वर्षों तक इंतजार क्यों करना पड़ता है।

वनस्पति राज' में मंदिरों में चोरी करवाने वालों पर जनता को भरोसा नहीं- अखिलेश

संवाददाता।

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि 'वनस्पति राज' में मंदिरों में चोरी करवाने वाले उन भाजपाई 'चढ़ावा चोरों' की झूठी बातों पर अब कोई भरोसा नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे भाजपाइयों पर प्रदेश की जनता को अब कोई विश्वास नहीं है और जनता चुनाव का इंतजार कर रही है। चुनाव घोषित होते ही भाजपा की हार तय है।अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने अपने ऊपर से मुकदमे हटवाए, पूज्य शंकराचार्य पर प्रहार करवाए और भद्दे आरोप लगवाए, संविधान का विरोध करने के लिए बाबासाहेब की मूर्तियां तक तुड़वाईं और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अन्याय की हर हद पार कर दी, उन पर जनता कैसे भरोसा करे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने 'हाथरस की बेटी' के साथ अंतिम संस्कार तक न्याय नहीं होने दिया, एक युवा विधवा को जेल में तड़पाया तथा प्रोफेसर, पत्रकार और ईमानदार अधिकारियों तक के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, उन्हें जनता अब पहचान चुकी है।उन्होंने आरोप लगाया कि कॉरिडोर, पुल, एक्सप्रेस–वे और मंदिर के नाम पर पैसे खाने, अपने सत्ता–सजातीयों को अपराध के बाद बचाने, जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये अपनी नकली छवि बनाने पर खर्च करने, विपक्ष पर झूठे मुकदमे लगवाने और विरोधियों के फर्जी एनकाउंटर करवाने का काम किया जा रहा है। बुलडोजर से लोगों के घर गिराए जा रहे हैं और स्कूल बंद कराए जा रहे हैं। भ्रष्टाचार के पैसे को सोने की सिल्ली में ढालने तक के मामले सामने आए हैं। कमीशनखोरी के कारण लगातार बढ़ती कमरतोड़ महंगाई से खाना–पीना, दवाई–इलाज और पढ़ाई सब महंगे हो गए हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रशासनिक अज्ञानता और अक्षमता का लाभ अधिकारी उठा रहे हैं। सरकार के अपने मंत्री तक न्याय के लिए धरने पर बैठने को मजबूर हैं। बिजली, पानी और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए जनता परेशान है। किसानों और मजदूरों को उनकी फसल और मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसानों को खाद, सिंचाई का पानी और पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं हो रही है तथा छुट्टा पशुओं से खेती की रक्षा नहीं हो पा रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के व्यापार और कारोबार को दूसरे राज्यों के ठेकेदारों के हाथों सौंपा जा रहा है। जीएसटी की मार से छोटे दुकानदारों और कारखानों को नुकसान हो रहा है। हस्तशिल्प और शिल्पकारों को विदेशी सौदों के माध्यम से नुकसान पहुंचाया जा रहा है। ट्रेडिंग के बिचौलियों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के उत्पादन को कमजोर किया जा रहा है। निवेश के नाम पर एडवांस कमीशन लेने और नौकरी–भर्ती को अदालतों में फंसाने के साथ लेटरल एंट्री, संविदा और 'नॉट फाउंड सूटेबल' जैसे तरीकों से आरक्षण के अधिकार को प्रभावित किया जा रहा है।

भर्ती से जुड़े अभिलेख 10 साल तक सुरक्षित रखने का प्रावधान

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के विद्युत सेवा आयोग में चयन से संबंधित अभिलेखों के रखरखाव और विनष्टीकरण को लेकर 31 दिसंबर 2009 को जारी कार्यालय ज्ञाप में अलग–अलग अभिलेखों को सुरक्षित रखने की अवधि निर्धारित की गई है। इसके तहत अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा के प्राप्तांक, साक्षात्कार के प्राप्तांक और दोनों के संयुक्त प्राप्तांकों से संबंधित पत्रावली को 10 वर्ष तक सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है। साथ ही चयन से संबंधित अभिलेखों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही नष्ट किए जाने की व्यवस्था की गई है।कार्यालय ज्ञाप के अनुसार आयोग के निर्णय एवं अधिनियम, नियमावली व शासनादेशों की पंजिका, प्राप्ति एवं प्रेषण रजिस्टर, रोकड़ बही, विभिन्न सेवाओं की नियमावलियां तथा संबंधित विज्ञापन की पत्रावली स्थायी रूप से सुरक्षित रखे जाने वाले अभिलेखों में शामिल हैं। वहीं प्रोन्नति के लिए चयन की पत्रावली और अभ्यर्थियों के लिखित व साक्षात्कार के प्राप्तांकों की पत्रावली को 10 वर्ष तक सुरक्षित रखने का प्रावधान है।पांच वर्ष तक सुरक्षित रखे जाने वाले अभिलेखों में अधियाचन, विज्ञापन और आयोग की ओर से भेजी गई संस्तुतियां, परीक्षकों की नियुक्ति, प्रश्नपत्र तैयार करने एवं मुद्रण से संबंधित पत्राचार, बजट आगणन, विज्ञापन भुगतान, अनुशासनिक कार्यवाही, याचिकाओं और अपीलों तथा विनियमितीकरण एवं स्थायीकरण से संबंधित पत्रावलियां शामिल हैं। लेखों के विनियोग और विभागीय लेखों के मिलान तथा लेखा परीक्षण से जुड़े अभिलेखों को तीन वर्ष तक सुरक्षित रखने का प्रावधान है।विभिन्न परीक्षाओं से संबंधित गोपनीय अनुभाग की पत्रावलियों, परिणाम को छोड़कर, तथा यात्रा भत्ता देयकों की पत्रावलियों को दो वर्ष तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था है। वहीं विभिन्न परीक्षाओं में अभ्यर्थियों द्वारा प्रयुक्त उत्तर पुस्तिकाओं को परिणाम घोषित होने की तारीख से एक वर्ष तक सुरक्षित रखा जाना है। सीधी भर्ती में साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए गए अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र तथा सीधी भर्ती से संबंधित पूर्ण ओएमआर शीट को भी चयन परिणाम घोषित होने की तारीख से एक वर्ष तक सुरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है। मुख्य परीक्षा में असफल अभ्यर्थियों की पूर्ण ओएमआर शीट भी परिणाम घोषित होने की तारीख से एक वर्ष तक सुरक्षित रखी जानी है।सीधी भर्ती के लिए सन्निरीक्षा के बाद अस्वीकृत पारंपरिक आवेदन पत्रों को चयन परिणाम घोषित होने की तारीख से तीन माह तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था है। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका विनष्टीकरण किया जा सकता है।कार्यालय ज्ञाप में स्पष्ट किया गया है कि जिन मामलों में याचिका या वाद न्यायालय में लंबित हो, उनसे संबंधित अभिलेख, चयन पत्रावली और अन्य दस्तावेज न्यायालय से अंतिम रूप से निस्तारण होने तक सुरक्षित रखे जाएंगे। आवेदन पत्रों को नष्ट करने से पहले उनमें संलग्न पोस्टल आर्डर, बैंक ड्राफ्ट और मूल प्रमाण पत्र अलग किए जाएंगे तथा मूल प्रमाण पत्र अभ्यर्थी को वापस भेजे जाएंगे।अभिलेखों के विनष्टीकरण के लिए कार्यालय अधीक्षक को निर्धारित प्रारूप में पंजिका तैयार करनी होगी। नष्ट किए जाने वाले अभिलेखों और पत्रावलियों की सूची दर्ज करने वाला रजिस्टर स्थायी अभिलेख रहेगा। चयन संबंधी अभिलेखों का विनष्टीकरण कार्यालय में कटर मशीन से कटिंग कर किए जाने का भी प्रावधान है। उत्तर पुस्तिकाओं के मामले में पहले प्रथम आवरण पृष्ठ को अलग कर नष्ट किया जाएगा और इसके बाद शेष पृष्ठों का विनष्टीकरण किया जाएगा।कार्यालय ज्ञाप में कार्मिकों की व्यक्तिगत पत्रावलियों, चरित्र पंजियों और अनुशासनिक कार्यवाही से संबंधित अभिलेखों के लिए भी अलग–अलग संरक्षण अवधि निर्धारित की गई है।

पशुओं के टीकाकरण की रियल टाइम निगरानी होगी, गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

लखनऊ (आरएनएस)। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पशुओं के टीकाकरण की भारत पशुधन ऐप पर समयबद्ध फीडिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे टीकाकरण की प्रगति की रियल टाइम निगरानी, पशुओं का डिजिटल रिकॉर्ड और अभियानों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो सकेगी। धर्मपाल सिंह ने गोशालाओं में पशुओं के लिए चारा, पानी, साफ–सफाई, प्रकाश और जल निकासी समेत सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोशालाओं तक आने–जाने वाले रास्तों को भी दुरुस्त कराने को कहा, ताकि पशुओं की देखभाल और विभागीय गतिविधियों में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और स्थानीय स्तर पर आय के स्रोत विकसित करने पर जोर दिया। दीपावली के मद्देनजर गोशालाओं में गोबर से दीये, मूर्तियां और अन्य उपयोगी सामग्री तैयार कराने तथा इनके बेहतर विपणन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए, जिससे गोशालाओं को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।मंत्री ने नस्ल सुधार कार्यक्रम में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि उन्नत पशु नस्लों के माध्यम से पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र पशुपालकों तक पहुंचाने के साथ उनकी नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी कार्यक्रमों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।धर्मपाल सिंह ने दुग्ध विकास विभाग को 25 हजार दुग्ध समितियों के गठन का लक्ष्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समितियों के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाकर अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादकों को इनसे जोड़ा जाए। समितियों के गठन और संचालन की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य की शत–प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए और दुग्ध उत्पादकों को योजनाओं तथा दुग्ध विपणन से संबंधित सुविधाओं का समुचित लाभ दिलाया जाए।राज्यमंत्री कृष्णा पासवान ने बैठक में कहा कि टीकाकरण एवं पशु स्वास्थ्य से संबंधित अभियानों का लाभ अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने गोशालाओं में पशुओं की समुचित देखभाल, स्वच्छता और आवश्यक व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर विकसित करने पर जोर दिया।अपर मुख्य सचिव पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग मुकेश कुमार मेश्राम ने मंत्री के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कार्य में भारत पशुधन ऐप पर समयबद्ध फीडिंग, जियो–टैगिंग और आवश्यक फोटो अपलोडिंग सुनिश्चित कराई जाएगी।

आईटीआई प्रवेश के पांचवें चरण की प्रक्रिया शुरू, छह से 11 अक्टूबर तक होंगे आनलाइन आवेदन

लखनऊ (आरएनएस)। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी), उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रशिक्षण सत्र 2026–27 के पांचवें चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। चौथे चरण की प्रवेश प्रक्रिया तीन अक्टूबर को पूरी होने के बाद रिक्त सीटों के सापेक्ष राजकीय आईटीआई के पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों से नए विकल्प तथा राजकीय एवं निजी संस्थानों के लिए नए अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के अधिशासी निदेशक (एससीवीटी) अभिषेक सिंह ने बताया कि राजकीय आईटीआई की प्रवेश प्रक्रिया के पहले, दूसरे और तीसरे चरण में चयनित अथवा चयनित होने के बावजूद प्रवेश से वंचित अभ्यर्थी परिषद की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अपनी पंजीकरण संख्या और जन्मतिथि दर्ज कर रिक्त व्यवसायों और इच्छित संस्थानों का पुनरीक्षित विकल्प भर सकते हैं। इसके साथ ही लिंग, उपवर्ग और शैक्षिक अर्हता को भी पुनरू पंजीकृत किया जा सकता है। यदि अभ्यर्थी नया विकल्प पंजीकृत नहीं कराता है तो उसके मूल आवेदन में दिए गए विकल्पों के आधार पर ही पांचवें चरण की सीट आवंटन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। राजकीय संस्थानों में पूर्व में प्रवेश लेने के बाद किसी कारणवश नाम कटवा चुके अभ्यर्थी भी इस चरण में आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि राजकीय एवं निजी संस्थानों के लिए नए सिरे से आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को परिषद की वेबसाइट पर जाकर पहले आवेदन पत्र भरना होगा। इसके बाद डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग अथवा यूपीआई के माध्यम से यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के पेमेंट गेटवे से ऑनलाइन शुल्क का भुगतान कर आवेदन पत्र का प्रिंटआउट प्राप्त किया जा सकेगा। सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण शुल्क 300 रुपये, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये तथा सभी महिला अभ्यर्थियों के लिए 100 रुपये निर्धारित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन और विकल्प भरने की प्रक्रिया छह अक्टूबर से 11 अक्टूबर की रात 12 बजे तक जारी रहेगी।अधिशासी निदेशक ने बताया कि चौथे चरण के बाद रिक्त सीटों का जनपदवार, संस्थानवार और व्यवसायवार विवरण परिषद की अधिकृत वेबसाइट ॅ.बअजनच.पद पर देखा जा सकता है। अभ्यर्थी संबंधित संस्थानों के कार्यालय से भी रिक्त सीटों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि अपने–अपने संस्थानों में रिक्त सीटों की व्यवसायवार अद्यतन स्थिति अनिवार्य रूप से सार्वजनिक सूचना पट पर प्रदर्शित करें, ताकि अभ्यर्थियों को विकल्प चयन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

50 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर दरबारी उर्फ ननकुन्ना गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)। क्राइम ब्रांच लखनऊ ने इंदिरानगर थाना क्षेत्र में घर में चोरी के प्रयास के दौरान परिवार के सदस्यों से मारपीट के मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त दरबारी उर्फ ननकुन्ना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे चार अक्टूबर को जरहरा मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी सीतापुर का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट–चोरी, एनडीपीएस एक्ट, आयुध अधिनियम और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं।पुलिस के मुताबिक 25 जुलाई 2026 को एक व्यक्ति ने इंदिरानगर थाने में सूचना दी थी कि दो अज्ञात लोगों ने उसके घर के पीछे की दीवार कूदकर चोरी का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने घर में मौजूद वादी की मां, पिता और बहन के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मामले में थाना इंदिरानगर में मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए कार्रवाई शुरू की। तकनीकी और मानवीय सूचनाओं के आधार पर जांच आगे बढ़ी तो कुल छह अभियुक्तों की संलिप्तता सामने आई। इनमें उदयराज, विनोद वर्मा, फिरोज उर्फ बाबर उर्फ इम्तियाज उर्फ माथू और बिरजू उर्फ राजकुमार को आठ अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। वहीं 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त सुरेश पासी उर्फ सुरेश रावत को 28 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।पुलिस के अनुसार दरबारी उर्फ ननकुन्ना लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की टीम संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही थी। इसी क्रम में चार अक्टूबर को उसे जरहरा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 195ध2026, धारा 331(4), 305(ए) और 307 बीएनएस के तहत थाना इंदिरानगर में अभियोग दर्ज है।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दरबारी उर्फ ननकुन्ना पुत्र शत्रोहन लोध, निवासी ग्राम भयापुर मजरा भगौतीपुर, थाना रामपुर मथुरा, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 51 वर्ष है और वह मजदूरी करता है। पुलिस के अनुसार वह सीतापुर का हिस्ट्रीशीटर है और आपराधिक गिरोह से भी जुड़ा रहा है।पुलिस अभिलेखों के अनुसार दरबारी के खिलाफ वर्ष 2003 से 2022 के बीच विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास, लूट, चोरी, हथियार रखने, गैंगस्टर एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामले शामिल हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ दर्ज 19 मुकदमों का आपराधिक इतिहास बताया है।पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 25 जुलाई की घटना में शामिल छह अभियुक्तों में से पांच को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था, जबकि दरबारी उर्फ ननकुन्ना फरार था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच की लगातार कार्रवाई के बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ इसी तरह लक्षित और प्रभावी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के साथ बाल एवं बंधुआ श्रम उन्मूलन पर जोर

हमीरपुर (आरएनएस)। किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वहां श्रमिकों, बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अधिकारों तथा भविष्य की सुरक्षा के लिए किस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी सोच के साथ हमीरपुर जिले में श्रम विभाग ने पिछले नौ वर्षों में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा, बाल एवं बंधुआ श्रम के उन्मूलन, बेहतर कार्य परिस्थितियां तथा सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्रवाई की है। विभाग की सक्रियता का परिणाम है कि एक ओर बाल एवं बंधुआ श्रम के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की गई, वहीं दूसरी ओर हजारों श्रमिकों और छोटे व्यापारियों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर उनके भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कल्याणकारी नीतियों के तहत पिछले नौ वर्षों की यह यात्रा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि 535 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराने और हजारों परिवारों को सुरक्षित भविष्य से जोड़ने की पहल की कहानी भी है। जिले में 499 सघन निरीक्षणों के माध्यम से 535 बाल श्रमिकों को नया जीवन देने की दिशा में कदम उठाया गया। बाल एवं किशोर श्रमिकों के नियोजन को रोकने और बच्चों को शिक्षा तथा बेहतर भविष्य की ओर ले जाने के उद्देश्य से श्रम विभाग, पुलिस, चाइल्ड लाइन और शिक्षा विभाग की संयुक्त टीमों ने ढाबों, होटलों, कारखानों, ईंट भट्ठों और दुकानों पर छापेमारी की। इन निरीक्षणों के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से 535 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया।मुक्त कराए गए बच्चों के पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया गया। सभी बच्चों का सर्व शिक्षा अभियान के तहत विद्यालयों में नामांकन कराया गया और उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया, ताकि वे दोबारा बाल श्रम की ओर न लौटें। विभाग का मानना है कि एक बच्चे को बाल श्रम से मुक्त कराना केवल वर्तमान को बदलना नहीं, बल्कि उसके पूरे भविष्य को सुरक्षित करना है।बंधुआ मजदूरी के खिलाफ भी जिले में प्रभावी कार्रवाई की गई। श्रमिकों के शोषण के विरुद्ध अभियान चलाते हुए अन्य जनपदों से आए 18 घोषित बंधुआ श्रमिकों को मुक्त कराकर उनके पुनर्वास की कार्रवाई की गई। कर्ज के जाल में फंसे इन श्रमिकों को बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर होना पड़ा था। विभाग ने उन्हें शोषण और बंधन से मुक्त कराने के साथ सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा में वापस लाने की दिशा में कदम उठाया। मुक्त श्रमिकों को मुक्ति प्रमाण पत्र के साथ केंद्र और राज्य सरकार की पुनर्वास योजनाओं के तहत आर्थिक सहायता, आवासीय सुविधा और रोजगार से जोड़ने का कार्य किया गया।जिले में किसी भी प्रकार के बंधुआ श्रम को बर्दाश्त नहीं करने के संदेश के साथ श्रम कानूनों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पारिश्रमिक भुगतान अधिनियम के तहत 11 निरीक्षण, न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत 11 निरीक्षण, समान पारिश्रमिक अधिनियम के तहत पांच निरीक्षण, मातृत्व हितलाभ अधिनियम के तहत दो निरीक्षण, संविदा श्रम अधिनियम के तहत दो निरीक्षण तथा बोनस भुगतान अधिनियम के तहत एक निरीक्षण किया गया। इन निरीक्षणों का उद्देश्य श्रमिकों को निर्धारित वेतन, समय पर देय लाभ और कानून द्वारा प्रदत्त अधिकार उपलब्ध कराना रहा। मातृत्व हितलाभ से जुड़े निरीक्षणों के माध्यम से महिला श्रमिकों को गर्भावस्था के दौरान मिलने वाले अधिकारों और अवकाश की सुविधाएं सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।सामाजिक सुरक्षा को श्रमिकों के सुरक्षित भविष्य का आधार बनाते हुए पेंशन योजनाओं से जोड़ने का अभियान भी चलाया गया। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक जीवनभर मेहनत करते हैं, लेकिन वृद्धावस्था में उनके सामने आर्थिक सुरक्षा का संकट खड़ा हो जाता है। इस चिंता को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के 6,415 श्रमिकों का पंजीकरण कराया गया। योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को 60 वर्ष की आयु के बाद 3,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन का प्रावधान है। इस प्रकार 6,415 पंजीकरण केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि इतने ही परिवारों के बुजुर्गों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में उठाया गया कदम है।इसी कड़ी में छोटे व्यापारियों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना के तहत 190 व्यापारियों का पंजीकरण कराया गया। छोटे दुकानदार और रेहड़ी–पटरी कारोबारी दिन–रात मेहनत करते हैं, लेकिन उनके भविष्य की आर्थिक सुरक्षा अक्सर सुनिश्चित नहीं होती। योजना से जोड़कर उन्हें भी पेंशन आधारित सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है।पिछले नौ वर्षों में हमीरपुर श्रम विभाग की कार्ययात्रा दंडात्मक कार्रवाई से आगे बढ़कर श्रमिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंची है। 535 बाल श्रमिकों की मुक्ति, 18 बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वास, सैकड़ों निरीक्षण तथा 6,600 से अधिक श्रमिकों और छोटे व्यापारियों को पेंशन योजनाओं से जोड़ने के प्रयास यह दर्शाते हैं कि संवेदनशील और सक्रिय प्रशासन श्रमिकों तथा कमजोर वर्गों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सकता है।

दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहा रेलवे टेक्नीशियन गिरफ्तार

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (स्क्रीनिंग) परीक्षा–2025 में दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहे एक साल्वर को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बायोमेट्रिक और आइरिस सत्यापन के दौरान गड़बड़ी सामने आने पर आरोपी पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार आरोपी रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर कानपुर देहात में तैनात है और अपने मित्र को नौकरी दिलाने के लिए 10 लाख रुपये में उसकी जगह परीक्षा देने की बात तय हुई थी।पुलिस के मुताबिक चार अक्टूबर को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज की ओर से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (स्क्रीनिंग) परीक्षा–2025 का आयोजन नेशनल पीजी कॉलेज, ब्लॉक–बी, हजरतगंज स्थित परीक्षा केंद्र पर किया जा रहा था। परीक्षा के दौरान स्टैटिक मजिस्ट्रेट नृपेन्द्र सिंह ने केंद्र पर मौजूद पुलिस बल को बताया कि अभ्यर्थी शशांक कुमार मिश्रा का आइरिस मैच नहीं हो रहा है। इसके बाद उसके बायोमेट्रिक और आधार सत्यापन की दोबारा जांच की गई।परीक्षा समाप्त होने के बाद संदिग्ध अभ्यर्थी को रोककर पहचान पत्र मांगा गया, लेकिन उसने पहचान पत्र देने से इनकार कर दिया। स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, आयोग के अधिकारियों और पुलिस की मौजूदगी में पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना वास्तविक नाम जयशंकर त्रिपाठी पुत्र जय प्रकाश त्रिपाठी, निवासी ईडब्ल्यू–290, विकासनगर विस्तार, थाना गोरखनाथ, जनपद गोरखपुर, उम्र करीब 37 वर्ष बताया। उसने स्वीकार किया कि वह अपने मित्र शशांक कुमार मिश्रा के स्थान पर परीक्षा देने आया था।पुलिस के अनुसार पूछताछ में जयशंकर त्रिपाठी ने बताया कि वह रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर कानपुर देहात में तैनात है। उसने अपने मित्र शशांक कुमार मिश्रा को नौकरी दिलाने के उद्देश्य से उसकी जगह परीक्षा देने की बात स्वीकार की। इसके लिए दोनों के बीच 10 लाख रुपये में परीक्षा देने की बात तय हुई थी।आरोपी ने शशांक कुमार मिश्रा के वोटर आईडी कार्ड पर अपनी फोटो लगाकर कूटरचित पहचान पत्र तैयार किया था और उसी के आधार पर परीक्षा में शामिल होने का प्रयास किया। आइरिस सत्यापन में गड़बड़ी सामने आने के बाद उसकी पहचान उजागर हो गई।स्टैटिक मजिस्ट्रेट की लिखित तहरीर पर थाना हजरतगंज में मुकदमा संख्या 209ध2026 के तहत धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस और धारा 8ध13(5) उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम–2024 में मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज को सौंपी गई है। हजरतगंज पुलिस ने आरोपी जयशंकर त्रिपाठी को चार अक्टूबर की रात 23रू35 बजे हिरासत में लिया।

शिवरी सालिड वेस्ट प्लांट का कायाकल्प अनुकरणीय मॉडल - मनोज कुमार सिंह

लखनऊ (आरएनएस)। पूर्व मुख्य सचिव एवं स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने सोमवार को शिवरी स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण कर लखनऊ नगर निगम की ओर से ठोस कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने प्लांट की व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली का जायजा लेने के बाद विजिटर बुक में दर्ज टिप्पणी में शिवरी साइट को अनुकरणीय मॉडल के रूप में विकसित किए जाने की प्रशंसा की। निरीक्षण के दौरान स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के निदेशक डॉ. ए.के. गुप्ता भी मौजूद रहे। नगर निगम की ओर से अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, संजीव प्रधान और सफाई एवं खाद्य निरीक्षक जितेंद्र वर्मा ने ठोस कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण दिया।मनोज कुमार सिंह ने फ्रेश वेस्ट जैविक प्लांट, कंपोस्ट प्लांट और कंपोस्ट से ग्रेन्यूल तैयार करने वाले प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने कचरे के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और उससे उपयोगी उत्पाद तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। इसके साथ ही प्लांट की प्रयोगशाला का निरीक्षण कर वहां इस्तेमाल किए जा रहे उपकरणों और उनकी कार्यप्रणाली के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।निरीक्षण के दौरान उन्हें कोकोनट यूनिट की कार्यप्रणाली भी दिखाई गई, जहां नारियल कचरे से उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण के अनुकूल मॉडल के रूप में विकसित किए जाने को महत्वपूर्ण बताया। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित व्यवस्था के इस्तेमाल की भी उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से कार्यों की निगरानी और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने इन व्यवस्थाओं को निरंतर बनाए रखने पर जोर दिया।मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2018–19 में नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव रहते हुए उन्होंने शिवरी साइट का निरीक्षण किया था। उस समय प्लांट की स्थिति काफी खराब थी, जबकि पिछले दो–तीन वर्षों में यहां व्यापक बदलाव आया है। निरीक्षण के बाद विजिटर बुक में उन्होंने लिखा कि पिछले दो–तीन वर्षों में साइट का पूरी तरह कायाकल्प हुआ है और अब इसे अनुकरणीय मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव, भूमि ग्रीन के कमलेश सिंह और पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कार्यों को इसी तरह आगे जारी रखने की अपेक्षा जताई।निरीक्षण के दौरान निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) वेस्ट के प्रबंधन की व्यवस्था की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने सीएंडडी वेस्ट से तैयार किए जा रहे विभिन्न बाय–प्रोडक्ट और उनके उपयोग के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण के साथ उससे उपयोगी उत्पाद

जनता की शिकायतों का समाधान औपचारिकता नहीं, संतुष्टि के अनुरूप हो- केशव मौर्य

लखनऊ (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय 7–कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के करीब तीन दर्जन जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने फरियादियों से संवाद कर उनके प्रकरणों की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष एवं संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि एवं राजस्व विवाद, अवैध कब्जे, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत, पेयजल, पुलिस–प्रशासन, शिक्षा और रोजगार सहित विभिन्न मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। उप मुख्यमंत्री ने सभी प्रकरणों का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जनता दर्शन सरकार और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद का मजबूत माध्यम है। जनता की समस्याएं सुनना, उनका समाधान करना और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और किसी पीड़ित नागरिक को न्याय के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण महज औपचारिकता के रूप में नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप किया जाए।

स्कूल में चोरी करते पकड़ा तो शिक्षक दंपती को फावड़े-कुल्हाड़ी से काट डाला

सुल्तानपुर। कादीपुर के कुंभी डड़िया में शिक्षक दंपती की हत्या का राज आठ दिन बाद सोमवार को खुल गया। पुलिस के मुताबिक स्कूल में चोरी करते समय शिक्षक मुकेश सिंह की पत्नी विनीता सिंह

ने आरोपी राकेश यादव और उसके साथी आशीष यादव को देख लिया था।

पहचान खुलने के डर से दोनों ने पहले विनीता की फावड़े से हत्या की। पत्नी को बचाने पहुंचे मुकेश ने विरोध किया तो उन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घायल मुकेश जान बचाकर बाहर भागे, लेकिन आरोपियों ने पीछा कर उनकी भी हत्या कर दी। सोमवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर दोहरे हत्याकांड का खुलासा किया।

पुलिस लाइन्स सभागार में पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि कुंभी डड़िया निवासी राकेश यादव गांव के ही मुकेश सिंह के मनराजी शिक्षण संस्थान में स्कूल बस चालक और कंप्यूटर शिक्षक था। उसे स्कूल के कार्यालय, लॉकर और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की जानकारी थी। उसका पड़ोसी और पट्टीदार आशीष यादव भी वारदात में शामिल था।

स्कूल में चोरी की योजना बनाई और 28 सितंबर की रात वहां पहुंचे। दोनों कार्यालय में रखी चाबी से लॉकर खोलकर रुपये निकाल रहे थे। तभी विनीता की नजर उन पर पड़ गई। चोरी का उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने फावड़े से हमला कर दिया। शोर सुनकर मुकेश पहुंचे और दोनों को पकड़ने की कोशिश की। आरोपियों ने उन पर भी कुल्हाड़ी से वार कर दिया।

मुकेश बाहर की ओर भागे लेकिन आरोपियों ने पीछा कर उन्हें भी मार डाला। इसके बाद दोनों आरोपी लॉकर से 34,960 रुपये, विनीता का मोबाइल फोन और आधार कार्ड लेकर भाग निकले। पुलिस के मुताबिक राकेश ने उसी रात मृतका के मोबाइल से कई बार रुपये का लेनदेन किया। पकड़े जाने के डर से मोबाइल को कुएं में फेंक दिया।

बुढ़ाना के पास बड़ी नहर पुलिया से हुई गिरफ्तारी

एसपी के मुताबिक, पुलिस ने सोमवार को दोनों को बुढ़ाना के पास बड़ी नहर पुलिया से गिरफ्तार कर लिया। वारदात में इस्तेमाल रक्तरंजित फावड़ा और कुल्हाड़ी पुलिस पहले ही बरामद कर चुकी थी। बताया कि राकेश के पास से 18,220 रुपये, जबकि आशीष के पास से 16,740 रुपये बरामद हुए। दोनों की निशानदेही पर मिले कपड़ों पर खून के निशान मिले हैं। राकेश पर पहले से तीन और आशीष पर दो आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पद्मविभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र की प्रथम पुण्यतिथि पर भव्य स्मृति समारोह, वरिष्ठ कलाकार सम्मानित

मीरजापुर। स्थानीय सिटी क्लब, सिविल लाइंस रोड (रमई पट्टी) में 'संगीत–संत' पद्मविभूषण स्व. पं. छन्नूलाल मिश्र जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर भव्य 'संगीत–संत स्मृति अलंकरण (प्रोफेसर, संगीत विभाग, के.बी. पी.जी. कॉलेज) रहीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति प्रो. शोभा गौड़ जी (माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर) उपस्थित रहीं।

समारोह एवं संगीत संध्या' का गरिमामयी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गुरुकुल पं. छन्नूलाल मिश्र काशी संगीत न्यास (वाराणसी) एवं नम्र सेवा संस्थानम् (मिर्जापुर) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसकी प्रणेता पं. छन्नूलाल मिश्र की पुत्री एवं शिष्या प्रो. नम्रता मिश्रा

वरिष्ठ कलाकारों का हुआ सम्मान–

समारोह के दौरान संगीत और समाज सेवा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करने वाली विभूतियों को 'संगीत–संत स्मृति अलंकरण' और 5100/– की सम्मान राशि से विभूषित किया गया।

– श्री पंचम राम जी : तबला वादन के क्षेत्र में

– श्री बद्री यादव जी : गायन–लोक संगीत के क्षेत्र में

– श्री आशुतोष दुबे जी : समाजसेवा (पत्रकारिता) के क्षेत्र में

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम–

– कथक नृत्यरूपः रविशंकर मिश्र, डॉ. ममता टंडन एवं सुश्री माण्डवी सिंह के नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया।

– सितार जुगलबंदीः पं. नरेन्द्र मिश्र एवं पं. अमरेन्द्र मिश्र की जुगलबंदी ने सुरों की छटा बिखेरी।

– सुगम संगीत गायनः पं. पंकज मिश्र एवं साथी कलाकारों ने भजनों और गीतों की प्रस्तुति दी।

– संगत कलाकार, तबला संगत पर पं. भोला नाथ मिश्र, श्री आदित्य मिश्र व सुश्री अवन्तिका मिश्रा, बाँसुरी संगत पर श्री प्रांजल सिंह तथा गायन सहयोग में श्री गौरव मिश्र ने कला का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. नम्रता मिश्रा एवं श्री शिवदास शर्मा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. नम्रता मिश्रा ने किया।

गणमान्यजनों की उपस्थित समारोह में श्री रत्नाकर मिश्र, नगीना जोहरी माली, प्रो. डॉ. राजीव सिंह, मनोज जायसवाल, श्री विद्याधर तिवारी, कुलसचिव माँ विं. विश्वविद्यालय रामनारायण, जिला अधिकारी श्री गिरीश कुमार, प्रो. बीना सिंह, श्री यशांकु सिंह, श्री भवभूति मिश्र, श्री गौरी शंकर द्विवेदी, श्री देवेन्द्र पाण्डेय, श्री रमेश चन्द्र ओझा, श्री इन्द्र भूषण द्विवेदी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी संगीत प्रेमियों के लिए स्नेह–भोज का भी आयोजन किया गया।

रंगोली में पायनियर स्कूल और सिटी इंटर कालेज का दबदबा

बाराबंकी। महिलाओं को समाज की मुख्यधारा में बराबरी का अधिकार और सम्मान दिए बिना सशक्त समाज का निर्माण संभव नहीं है। महात्मा गांधी ने महिलाओं को समाज परिवर्तन की महत्वपूर्ण शक्ति माना था। उनके विचार आज भी महिला सशक्तीकरण की राह दिखाते हैं। यह बात नगर पालिका अध्यक्ष शीला सिंह वर्मा ने गांधी भवन में गांधी जयंती सप्ताह के पांचवें दिन आयोजित 'महिला सशक्तीकरण और गांधी जी' विषयक संगोष्ठी में कही। उन्होंने कहा कि गांधी जी का मानना था कि महिलाओं की भागीदारी के बिना देश और समाज की प्रगति अधूरी है। गांधी के विचारों को केवल आयोजनों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें अपने जीवन और व्यवहार में उतारना होगा। संगोष्ठी के साथ गांधी के स्वच्छता संदेश को लेकर रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सिटी इंटर कॉलेज, पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, पायनियर मांटेसरी स्कूल, जमील उर रहमान किदवई इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज और ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के करीब 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बच्चों ने रंगों और कलात्मक कल्पना के जरिए स्वच्छता, गांधी के आदर्शों और सामाजिक सरोकारों को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। जूनियर वर्ग की रंगोली प्रतियोगिता में पायनियर मांटेसरी हाई स्कूल की छात्राओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जमील उर रहमान किदवई इस्लामिया गर्ल्स कॉलेज दूसरे और पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र तीसरे स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग में सिटी इंटर कॉलेज की छात्राओं ने पहला स्थान हासिल किया। जमील उर रहमान किदवई इस्लामिया गर्ल्स कॉलेज दूसरे और पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज तीसरे स्थान पर रहा। वहीं सीनियर वर्ग में पायनियर माण्टेसरी स्कूल ने विशेष स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में नगर पालिका अध्यक्ष शीला सिंह वर्मा, समाजसेविका सरिता शर्मा और डॉ. आद्या शर्मा शामिल रहीं।

चित्रकला में सृष्टि और समीरूल निशा ने मारी बाजी

गांधी जयन्ती सप्ताह के अर्न्तगत आयोजित हुई चित्रकला प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में श्री साईं इंटर कॉलेज की छात्रा सृष्टि मौर्या प्रथम, पायनियर मांटेसरी स्कूल की गौरी द्वितीय और जमील उर रहमान किदवई इस्लामिया गर्ल्स कॉलेज की रितिका राजपूत तृतीय रहीं। वहीं सीनियर वर्ग में जमील उर रहमान किदवई इस्लामिया गर्ल्स कॉलेज की समीरूल निशा ने प्रथम, इसी विद्यालय की शमा बानो ने द्वितीय और श्री साईं इंटर कॉलेज की धृति श्रीवास्तव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। परिणाम की घोषणा अनवर महबूब किदवई ने की। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक राजनाथ शर्मा, शिक्षाविद् अशोक शुक्ला, सुनीता देवी, विजय कुमार सिंह मुन्ना, सभासद मोहम्मद फैसल, सभासद शिवा शर्मा, वीपी सिंह, मृत्युंजय शर्मा, नीरज दूबे सहित कई लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी प्रमुख जनगणना अधिकारी महोदय द्वारा द्वितीय चरण जनसंख्या गणना

सुलतानपुर। भारत की जनगणना–2027 के द्वितीय चरण जनसंख्या गणना कार्य के अन्तर्गत जिलाधिकारीप्रमुख जनगणना अधिकारी इंद्रजीत सिंह द्वारा कमला नेहरु प्रौद्योगिकी संस्थान, सुलतानपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में फील्ड ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर केएनआईटी के प्राचार्य, अपर जिलाधिकारी(वि०ए रा०)जिला जनगणना अधिकारी सुलतानपुर व अपर उप जिलाधिकारी सदरप्रभारी अधिकारी (जनगणना) सुलतानपुर एवं श्रीमती रजनी शुक्ला, जिला प्रभारी अधिकारी (जनगणना) उपस्थित रहें। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 04 मास्टर ट्रेनर के द्वारा फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 05.10.2026 से 10.10.2026 तक तीन बैचों के माध्यम से सम्पन्न कराया जायेगा, जिसमें दिनांकः

05.10.2026 से 07.10.2026 तक प्रथम व द्वितीय बैच में 30–30 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जायेगा तथा दिनांक 08. 10.2026 से 10.10.2026 तक तृतीय बैच में 28 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जायेगा। इस प्रकार जनपद में कुल 88 फील्ड ट्रेनर को प्रशिक्षित किया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी फील्ड ट्रेनरों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि जनगणना का डाटा सही तरीके से फीड किया जाए, यह जिम्मेदारी आप लोगों की है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं एवं नीतियों का निर्माण इसी जनगणना को आधार मानकर किया जायेगा। सभी मास्टर ट्रेनर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में समस्त फील्ड ट्रेनर को जागरूक करें, ताकि वास्तविक जनगणना का डाटा एकत्रित हो सके।

विधान परिषद चुनाव को लेकर डीएम ने कसी तैयारियों की लगाम

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारीजिला निर्वाचन अधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में नामित नोडल एवं अपर नोडल अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्वाचन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से उनके जिम्मे सौंपे गए निर्वाचन कार्यों की अब तक की प्रगति की जानकारी ली और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी एसओपी और दिशा–निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। निर्वाचन प्रक्रिया में समयबद्धता, पारदर्शिता और विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में मतदान कार्मिकों, जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा माइक्रो ऑब्जर्वरों की नियुक्ति और प्रशिक्षण की समीक्षा की गई। इसके अलावा यातायात व्यवस्था, वाहनों की उपलब्धता, रूट चार्ट, मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं, निर्वाचन सामग्री की छपाई, पैकिंग और पोलिंग स्टेशनवार बंडलिंग, बैलेट बॉक्स एवं अन्य सामग्री के वितरण तथा मतदान के बाद सामग्री जमा कराने की व्यवस्था पर भी चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने गोपनीय अभिलेखों और सील्ड मतपेटिकाओं की सुरक्षित जमा व परिवहन व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। प्रेक्षकों के ठहरने, वाहन व सुरक्षा व्यवस्था, मतदान कार्मिकों के लिए आवश्यक सुविधाएं, चिकित्सा व्यवस्था, निर्वाचन संबंधी आंकड़ों के समयबद्ध प्रेषण, मतदान केंद्रों पर आदर्श आचार संहिता के पालन, मतदाता सूची की प्रतियां तैयार कराने और शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की भी समीक्षा की गई।

अवकाश प्राप्त सभी श्रमजीवी पत्रकारों को आयुष्मान योजना में शामिल करने की मांग

लखनऊ । यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन ने 60 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रेणी के अवकाश प्राप्त पत्रकारों और उनके परिवारों को आयुष्मान योजना में शामिल किए जाने की मांग की है बाद भी योजना में शामिल किया जाए। इसके अलावा ऐसे अन्य श्रमजीवी पत्रकार जिनके पास ईपीएफओ का पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पी पी ओ) हो उन्हें भी योजना में स्थान दिया जाए । अन्य

। अभी तक यह लाभ केवल मान्यता प्राप्त पत्रकारों को ही मिल रहा है।

यूनियन के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उनके अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद को दिया । ज्ञापन में मांग की गई है की अवकाश ग्रहण कर चुके ऐसे पत्रकार जिनकी एक निश्चित अवधि तक मान्यता रही है उन्हें भी अवकाश ग्रहण करने के श्रमजीवी पत्रकारों के लिए अलग से नियमावली बनाई जाए।

प्रतिनिधिमंडल में यूनियन के प्रदेशिक महामंत्री देवराज सिंह, लखनऊ मंडल के अध्यक्ष शिवशरण सिंह, अविनाश शुक्ला, शिव विजय सिंह , टी एन मिश्रा, डीपी शुक्ला, अनिल सैनी शामिल थे।

अपर मुख्य सचिव को यूनियन के महोबा में आयोजित प्रादेशिक प्रतिनिधि सम्मेलन में पत्रकारों को पेंशन , पी जी आई सुविधा के सरलीकरण , सस्ते दर पर आवास एवं प्लॉट आवंटन, पत्रकार सुरक्षा कानून और प्रेस मान्यता समिति के गठन की मांग संबंधी प्रस्ताव भी दिए गए।

यूनियन के प्रादेशिक अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने मान्यता प्राप्त पत्रकारों को आयुष्मान योजना में शामिल किए जाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि भारत सरकार 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को आयुष्मान योजना का लाभ दे रही है। ऐसे में यदि 60 वर्ष से अधिक आयु के अवकाश प्राप्त पत्रकारों को योजना में शामिल किया जाता है तो उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश बन जाएगा ।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री संजय प्रसाद ने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

अनीस-मोहसिना के बाद राज्यसभा में महिलाओं की आवाज बनेंगी प्रियंका

बाराबंकी। करीब सात दशक से बाराबंकी की सियासत का रिश्ता राज्यसभा से जुड़ा रहा है। इस लंबी राजनीतिक यात्रा में अब एक और अहम कड़ी जुड़ने जा रही है। अनीस किदवई और मोहसिना किदवई के बाद प्रियंका सिंह रावत जिले से जुड़ी तीसरी प्रमुख महिला चेहरा हैं, जिन्हें राज्यसभा की राजनीति में जगह मिली है। भाजपा ने पूर्व सांसद एवं प्रदेश महामंत्री प्रियंका सिंह रावत को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया है। इससे बाराबंकी की राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व के साथ सामाजिक समीकरण भी चर्चा के केंद्र में आ गया है। उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा। अनीस किदवई से शुरू हुई यह महिला राजनीतिक कड़ी अब दल की सीमाएं भी पार कर चुकी है। राज्यसभा के आधिकारिक अभिलेख के अनुसार अनीस किदवई उत्तर प्रदेश से 1956 से 1962 और फिर 1962 से 1968 तक राज्यसभा सदस्य रहीं। उनका संबंध बाराबंकी के किदवई परिवार से था। इसके बाद बाराबंकी में जन्मीं मोहसिना किदवई ने भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी पहचान बनाई। वह कांग्रेस की प्रमुख महिला नेताओं में रहीं और 2004 से 2016 तक छत्तीसगढ़ से राज्यसभा सदस्य रहीं। अब प्रियंका रावत इस कड़ी में नया नाम हैं। अंतर यह है कि अनीस और मोहसिना कांग्रेस की राजनीति से निकलीं, जबकि प्रियंका भाजपा की ओर से राज्यसभा उम्मीदवार बनाई गई हैं। वह 2014 में बाराबंकी से लोकसभा सांसद रह चुकी हैं और भाजपा संगठन में प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। उनकी उम्मीदवारी के साथ महिला प्रतिनिधित्व के अलावा पासी समाज की राजनीतिक भागीदारी का पहलू भी जुड़ गया है। भाजपा की घोषित सूची में प्रियंका रावत और श्रुति गंगवार दो महिला उम्मीदवार हैं। बता दें कि बाराबंकी की राज्यसभा यात्रा केवल महिला चेहरों तक सीमित नहीं रही है। डॉ. मुहम्मद हाशिम किदवई, आनंद प्रकाश गौतम, अनंतराम जायसवाल, अखलाक उर रहमान किदवई, मोहम्मद अदीब, डॉ. पीएल पुनिया और बेनी प्रसाद वर्मा जैसे नाम भी जिले की राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़े रहे हैं। आनंद प्रकाश गौतम और डॉ. पीएल पुनिया के जरिए दलित प्रतिनिधित्व का अध्याय भी इस यात्रा में दर्ज हुआ। वहीं बेनी प्रसाद वर्मा ने बाराबंकी से निकलकर प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। बहरहाल, राज्यसभा किसी जिले की सीट नहीं होती। सदस्य का निर्वाचन प्रदेश के निर्वाचक मंडल से होता है। ऐसे में प्रियंका रावत का उम्मीदवार बनाया जाना और उनका निर्वाचित होना दो अलग चरण हैं। फिर भी बाराबंकी की राजनीति के लिहाज से यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। एक तरफ यह जिले से जुड़ी महिला राजनीतिक प्रतिनिधित्व की तीसरी बड़ी कड़ी है, दूसरी ओर भाजपा की ओर से महिला चेहरे को उच्च सदन की दौड़ में उतारने का पहला बड़ा अवसर है। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की चर्चा भी हो रही है। ऐसे में प्रियंका रावत की उम्मीदवारी को महिला प्रतिनिधित्व, संगठनात्मक भूमिका और पासी समाज की राजनीतिक भागीदारी–इन तीनों संदर्भों में देखा जा रहा है। अनीस किदवई से शुरू हुई महिला राज्यसभा यात्रा अब मोहसिना किदवई से होते हुए प्रियंका रावत तक पहुंच

विंध्य एक्सप्रेस-वे निर्माण हेतु क्रय कमेटी की बैठक में किसानों को चार गुना मुआवजा देने का निर्णय

मीरजापुर 05 अक्टूबर 2026– विंध्य एक्सप्रेस–वे निर्माण हेतु जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा गठित क्रय कमेटी की बैठक राजकीय इंटर कॉलेज महुवारिया के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

तहसील सदर में विंध्य एक्सप्रेस–वे से प्रभावित कुल 55 ग्रामों के काश्तकारों को दरपुर्सकिल दर के बारे में अवगत कराया गया। जिसमें सर्किल दर का ग्रामीण क्षेत्र में चार गुना एवं शहरी क्षेत्र में दो गुना भूमि की प्रकृति के अनुसार मुआवजा दिये जाने व संरचनाध्मवनों का मूल्यांकन वर्तमान दर पर दिये जाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि०रा० विनोद कुमार सिंह, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला जज के रवैये से नाराज अधिवक्ता 6 को रहेंगे सामूहिक अवकाश पर

बाराबंकी। जिला बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी की सोमवार को हुई आपात बैठक में विभिन्न समस्याओं को लेकर 6 अक्टूबर को अधिवक्ताओं के सामूहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया गया। एसोसिएशन का आरोप है कि जिला जज के रवैये के कारण अधिवक्ताओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 5 अक्टूबर को हुई बैठक के बाद जारी प्रेस नोट में एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि जिला जज प्रतिमा श्रीवास्तव के कथित अड़ियल रवैये के कारण वैध वाहन पास होने के बावजूद अधिवक्ताओं के दोपहिया वाहनों को कचहरी परिसर के गेट नंबर एक से प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा जिन अधिवक्ताओं की कुर्सी अथवा मेज क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें नई कुर्सी–मेज लाने की अनुमति नहीं दिए जाने का भी आरोप लगाया गया। एसोसिएशन का कहना है कि ऐसी कई अन्य समस्याओं के समाधान की मांग के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है, जिससे अधिवक्ताओं में रोष है। सामूहिक अवकाश के निर्णय को प्रभावी बनाने के लिए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रमन द्विवेदी, महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव समेत पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य सोमवार को कचहरी परिसर पहुंचे। उन्होंने अधिवक्ताओं की सीटों पर जाकर एसोसिएशन के निर्णय की जानकारी दी और 6 अक्टूबर को न्यायिक कार्य से विरत रहने के लिए सहयोग मांगा।

सेवा संकल्प अभियान में बच्चों ने चित्रों में दिखाया विकसित भारत का सपना

बाराबंकी। सेवा संकल्प अभियान–2026 के तहत सोमवार को राजकीय इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में जनपद स्तरीय चित्रकला प्रदर्शनी एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने चित्रों के माध्यम से सेवा, राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत की परिकल्पना को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। रंगों से सजी विद्यार्थियों की रचनाएं प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय मसौली की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में प्रतिभा की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें उचित मंच और प्रोत्साहन देने की है। स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

एसआईआर लोकतंत्र की शुचिता और विश्वास की कसौटी

यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका मतदाता है और मतदाता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पहचान उसका मताधिकार है। इसलिए मतदाता सूची केवल नामों का प्रशासनिक दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। जिस व्यक्ति का नाम पात्र होते हुए मतदाता सूची में नहीं है, उसकी लोकतांत्रिक भागीदारी अधूरी रह जाती है और जिस व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी हो, जो स्थानांतरित हो गया हो अथवा जिसका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हो, उसका नाम सूची में बने रहना चुनाव की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है। इसी दृष्टि से मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है। लेकिन इसकी सफलता केवल गलत या अपात्र नाम हटाने से नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुरक्षित रखने और छूटे हुए मतदाताओं को वापस जोड़ने से तय होगी। निर्वाचन आयोग ने 2026 में एसआईआर की प्रक्रिया को कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया है। आयोग के कार्यक्रम में घर–घर जाकर सत्यापन, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, दावे और आपत्तियां लेने तथा अंतिम सूची प्रकाशित करने जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 27 मई 2026 को सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में किए गए एसआईआर की वैधानिकता को बरकरार रखा और माना कि निर्वाचन आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 तथा जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत ऐसी प्रक्रिया संचालित करने का अधिकार है। न्यायालय ने यह भी माना कि प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की रक्षा से जुड़ा वैध उद्देश्य है। एसआईआर के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर स्वाभाविक रूप से राजनीतिक और सामाजिक बहस पैदा हुई है। लेकिन बेवजह चुनाव आयोग एवं मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर विवाद खड़े किये जाने की स्थितियां विडम्बनापूर्ण है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों की संयुक्त मतदाता सूची में एसआईआर के बाद 10.2 प्रतिशत की कमी हुई और 66,88,636 मृत मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसी प्रक्रिया में आपत्तियों और जांच के बाद 63.16 लाख नाम भी हटाए गए। इन आंकड़ों को केवल एक राजनीतिक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। इनमें एक ओर मृत, स्थानांतरित या दोहराए गए नामों को हटाने की प्रशासनिक आवश्यकता दिखाई देती है, तो दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में नामों में परिवर्तन यह भी बताता है कि मतदाता सूची को नियमित रूप से अद्यतन करते रहना कितना आवश्यक है। यहीं से इस पूरी प्रक्रिया की

सबसे महत्वपूर्ण कसौटी सामने आती है। यदि किसी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाना लोकतंत्र की शुचिता के लिए जरूरी है, तो किसी पात्र नागरिक का नाम गलती से हट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। मतदाता सूची को शुद्ध करने और मतदाता अधिकार को सुरक्षित रखने के बीच संतुलन ही एसआईआर की वास्तविक सफलता है। इस दृष्टि से निर्वाचन आयोग का हालिया विशेष अभियान महत्वपूर्ण है। 2 अक्टूबर 2026 को आयोग ने एसआईआर पूरी कर चुके राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में उन पात्र मतदाताओं को फिर से सूची में शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया, जिनके नाम पुनरीक्षण के दौरान छूट गए हों। पहली बार मतदान करने वाले और नए पात्र युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर भी जोर दिया गया है।इस अभियान में बूथ स्तर के अधिकारियों को एसआईआर से पहले की मतदाता सूची और वर्तमान सूची का मिलान कर उन लोगों की पहचान करने को कहा गया है जिनके नाम पहले मौजूद थे लेकिन अंतिम सूची में नहीं हैं। इसके बाद घर–घर जाकर सत्यापन और पात्र पाए जाने पर मौके पर ही फॉर्म–6 प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बूथ स्तर अधिकारी के लिए प्रति सप्ताह 20 से 25 मतदाताओं के सत्यापन और लगभग एक महीने में अभियान पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ संबंधित सूचियां साझा करने का निर्देश भी पारदर्शिता की दृष्टि से उल्लेखनीय है। यही वह बिंदु है जहां मतदाता सूची के पुनरीक्षण को राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप से आगे ले जाने की आवश्यकता है। विपक्षी दलों ने एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा है कि इससे पात्र नागरिकों के मताधिकार पर असर पड़ सकता है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग का कहना है कि उसका उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करना है। इन दोनों पक्षों के बीच अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी आंकड़ों, दस्तावेजी प्रमाण, आपत्ति और अपील की प्रभावी व्यवस्था तथा स्वतंत्र जांच से निकलना चाहिए। किसी राजनीतिक दल के आरोप को स्वतः सत्य मान लेना भी उचित नहीं है और किसी शिकायत को केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन आयोग की संवैधानिक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची की शुद्धता बनाए रखना उसी जिम्मेदारी का अनिवार्य हिस्सा है। आयोग के डिजिटल पोर्टल पर मतदाता अपना नाम खोज सकते हैं, अंतिम एसआईआर सूची देख सकते हैं, नया पंजीकरण करने के लिए फॉर्म–6 भर सकते हैं, आवेदन की स्थिति देख सकते हैं और शिकायत भी दर्ज कर सकते हैं। यह व्यवस्था नागरिकों को केवल प्रशासन पर निर्भर रहने के बजाय स्वयं अपने मतदाता अधिकार की जांच करने का अवसर देती है। लेकिन केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। भारत की सामाजिक और भौगोलिक विविधता को देखते हुए ऐसे नागरिक भी हैं जिनके पास डिजिटल साधनों की सीमित पहुंच है। गरीब, श्रमिक, प्रवासी, बेघर, वृद्ध, दिव्यांग और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक प्रशासन को स्वयं पहुंचना होगा। आयोग ने विशेष अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर के शिविरों तथा रात के आश्रयस्थलों, श्रमिक बस्तियों, बेघर और अन्य वंचित समूहों के लिए विशेष शिविरों का निर्देश भी दिया है। यही दृष्टिकोण मतदाता सूची को केवल कागजी शुद्धता से आगे बढ़ाकर वास्तविक लोकतांत्रिक समावेशन से जोड़ता है। यह भी समझना होगा कि मतदाता सूची में सुधार कोई एक बार होने वाला अभियान नहीं हो सकता। शहरों में तेजी से बढ़ता प्रवास, गांवों से शहरों की ओर पलायन, विवाह के बाद निवास परिवर्तन, युवाओं का 18 वर्ष की आयु पूरी करना, मृत्यु और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण लगातार होते रहते हैं। इसलिए आयोग स्वयं मतदाता पंजीकरण को सतत प्रक्रिया मानता है और पात्र नागरिकों के लिए फॉर्म–6 के माध्यम से पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। वास्तविक चुनौती यह है कि पुनरीक्षण के दौरान हटे हुए प्रत्येक नाम के पीछे एक नागरिक हो सकता है। इसलिए हर हटाए गए नाम को संदेह की दृष्टि से देखना और हर शिकायत को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। इसी तरह हर पुराने नाम को केवल इसलिए बनाए रखना भी उचित नहीं होगा कि वह पहले सूची में था। लोकतंत्र में मतदाता सूची का सिद्धांत स्पष्ट होना चाहिए–न पात्र व्यक्ति छूटे और न अपात्र व्यक्ति मतदान व्यवस्था में बना रहे। लोकतंत्र की मजबूती का अर्थ केवल अधिक मतदान प्रतिशत नहीं है। उसका अर्थ यह भी है कि जो पात्र नागरिक मतदान करना चाहता है, उसे मतदाता सूची में स्थान मिले, जो व्यक्ति मतदान के योग्य नहीं है, उसका नाम नियमपूर्वक हटे, शिकायत करने वाले को सुनवाई मिले और अंतिम निर्णय पारदर्शी प्रक्रिया से हो। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बिहार एसआईआर की वैधानिकता को स्वीकार किए जाने का अर्थ भी यही है कि मतदाता सूची की शुद्धता का संवैधानिक महत्व है, साथ ही प्रक्रिया में निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन आवश्यक है। इसलिए आज आवश्यकता एसआईआर के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से अधिक महत्वपूर्ण उस प्रक्रिया को इतना पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की है कि किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार के लिए संघर्ष न करना पड़े। भारतीय लोकतंत्र की शक्ति चुनाव कराने में ही नहीं, बल्कि हर योग्य नागरिक को चुनाव में भाग लेने का समान अवसर देने में है।

सम्पादकीय

भारत में आर्थिक विकास की गति तेज रहने के बावजूद क्यों गिर रहा है शेयर बाजार

उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। हाल ही के समय में भारत के शेयर बाजार में लगातार तेज गिरावट दर्ज हुई है, इससे देश में इस तरह का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी संकट आने वाला है और भारतीय नागरिकों पर इसका अत्यधिक कष्टकारी असर पड़ने वाला है। यह आंकलन किसी भी प्रकार से उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि शेयर बाजार में गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों के मन में बैठ रहे डर के आधार पर देखी जा रही है, जबकि भारतीय संस्थागत निवेशक तो लगातार अपना निवेश भारतीय शेयर बाजार में बढ़ा रहे हैं एवं म्यूचुअल फंडस द्वारा प्रति माह 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का लगातार निवेश शेयर बाजार हो रहा है। यह सही है कि भारतीय शेयर बाजार का सेन्सेक्स 1 अक्टूबर 2025 के 80,983 बिंदुओं के स्तर से 1 अक्टोबर 2026 को 71,910 बिंदुओं के स्तर पर नीचे आ गया है। इसी प्रकार, निफ्टी इंडेक्स भी 1 अक्टूबर 2025 के 24,836 बंदुओं के स्तर से नीचे गिरकर 1 अक्टूबर 2026 को 22,422 बिंदुओं के स्तर पर आ गया है। पिछले एक वर्ष की अवधि में 10 से 11 प्रतिशत के बीच की गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, इस बीच भारत में अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास दर लगातार उच्च स्तर की बनी हुई है। फिर, ऐसे क्या कारण हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था का चमकता चेहरा होने के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है।दरअसल किसी भी देश का शेयर बाजार, स्टॉक एक्सचेंज पर दर्ज कम्पनियों की आगे आने वाले वर्षों में होने वाली अनुमानित आय के आधार पर, घटता अथवा बढ़ता रहता है। दूसरे, आजकल जब समस्त देश एक तरह से आपस में जुड़ से गए हैं और हम एक वैश्विक गांव में निवास कर रहे हैं तब एक देश में होने वाली घटनाओं का प्रभाव दूसरे देश के शेयर बाजार पर भी पड़ता हुआ दिखाई देता है। जैसे, रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराईल–हम्मास युद्ध, अमेरिका–ईरान युद्ध, सऊदी अरब–हूथी युद्ध एवं खाड़ी के देशों का आपसी युद्ध, आदि कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जिनके चलते भारतीय शेयर बाजार भी सहमा हुआ दिखाई दे रहा है, हालांकि भारत किसी भी प्रकार से, अप्रत्यक्ष अथवा प्रत्यक्ष रूप से, इन युद्धों से नहीं जुड़ा है । तीसरे, विदेशी निवेशक भारी मात्रा में कुछ देशों के शेयर बाजार में अपनी पूंजी का निवेश करते हैं, क्योंकि उन्हें इन देशों में किए गए निवेश से अच्छे रिटर्न की सम्भावना दिखाई देती है। परंतु, जब इन विदेशी निवेशकों द्वारा अपना निवेश शेयर बाजार से निकाला जाता है तब उस देश का शेयर बाजार तेजी से गिरने लगता है। उक्त वर्णित युद्धों के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं और यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गए हैं, एक वर्ष पूर्व यह 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थे, अर्थात इस एक वर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। भारत कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, अतः भारत के उक्त युद्धों से किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े होने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था पर कुछ विपरीत प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा माहौल बनाए जाने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश भारी मात्रा में निकाल रहे हैं। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में बनाए रखने के प्रयास अभी तक तो सफल ही रहे हैं। फिर भी, केलेंडर वर्ष 2026 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 2.8 लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि निकाल ली है। सितम्बर 2024 तक के 24 माह में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 38,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया था जबकि सितम्बर 2026 तक के 24 माह में 56,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की निकासी की गई हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक इतनी भारी मात्रा में अपना निवेश भारत से निकालकर अमेरिकी बांडस, अमेरिका के शेयर बाजार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया के शेयर बाजार एवं चीन के शेयर बाजार में कर रहे हैं। क्योंकि, अमेरिका में ब्याज दरों (यूएस फेड दर) में वृद्धि के चलते, बांडस की यील्ड पिछले लगभग 24–25 वर्षों के उच्चत्तम स्तर 5.60 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गई है। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार में अभी भी तेजी बनी हुई है क्योंकि वहां की कम्पनियों द्वारा उच्च तकनीकी के नवाचार करने के चलते उनकी उत्पादकता एवं लाभप्रदता में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी प्रकार, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया में आरटीफिशीयल इंटेलीजेंस के क्षेत्र की कम्पनियों में उच्च स्तर की लाभप्रदता दर्ज होने की सम्भावनाएं दिखाई दे रही है, इसलिए विदेशी निवेशक अमेरिका, वियतनाम एवं दक्षिणी कोरिया जैसे देशों की ओर आकर्षित हो रहे है एवं अपना निवेश इन देशों में बढ़ा रहे हैं। चीन का शेयर बाजार बहुत ही तेजी से नीचे गिरा था जिसके कारण वहां पर कम्पनियों के शेयरों का कीमतध्आय रेशो भारतीय कंपनियों के कीमतध्आय रेशो की तुलना में अत्यधिक आकर्षक हो गया है। चीन में औसतन यह रेशो 12 प्रतिशत के नीचे है जबकि भारत में यह रेशो औसतन 20 प्रतिशत से अधिक है। अतः विदेशी संस्थागत निवेशकों को भारतीय कम्पनियों के शेयर, चीनी कम्पनियों के शेयर की तुलना में महंगे दिखाई दे रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने चलते भारतीय रुपया लगातार कमजोर हो रहा है, इस कारण से भी विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से अपना निवेश निकाल रहे है।

पुरानी कार के लिए इश्योरेंस कम होना चाहिए या ज्यादा?

लेखक - श्री राकेश कौल, चीफ डिस्ट्रीब्यूशन अश्फिसर - रिटेल बिजनेस, बजाज जनरल इंश्योरेंस

Wisdom india

कार रखने वाले कई लोग मानते हैं कि जैसे–जैसे उनका वाहन पुराना होता जाता है, उसके लिए इंश्योरेंस की आवश्यकता अपने आप कम होती जाती है। हालांकि कार की आयु बढ़ने के साथ इंश्योरेंस का प्रीमियम अक्सर कम हो जाता है, लेकिन कवरेज की सही राशि केवल कार के निर्माण वर्ष पर निर्भर नहीं करती। गाड़ी का इस्तेमाल कितनी बार होता है, उसे कहां चलाया या पार्क किया जाता है, मालिक की आर्थिक जरूरतें क्या हैं और वह अपनी गाड़ी के लिए कितनी सुरक्षा चाहता है, इन सभी बातों की इंश्योरेंस कवरेज तय करने में अहम भूमिका होती है। अच्छी खबर यह है कि पुरानी कार के मालिकों के पास चुनने के लिए कई इंश्योरेंस विकल्प होते हैं। समय के साथ इंश्योरेंस की जरूरतें कैसे बदलती हैं, यह समझकर वे ऐसा कवरेज चुन सकते हैं, जो बजट में भी रहे और गाड़ी को पर्याप्त सुरक्षा भी दे।

कार की आयु इंश्योरेंस को कैसे प्रभावित करती है

जैसे–जैसे कार पुरानी होती जाती है, उसकी कीमत में धीरे–धीरे कमी आती है, क्योंकि समय के साथ उसकी वैल्यू घटती रहती है। इसका असर इंश्योर्ड डिक्लेयर्ड वैल्यू (आईडीवी) पर पड़ता है, यानी वह राशि जो इंश्योरेंस कंपनी गाड़ी पूरी तरह खराब होने या चोरी होने की स्थिति में आपको दे सकती है। क्योंकि आईडीवी समय के साथ कम हो जाती है, इसलिए इंश्योरेंस प्रीमियम भी कम हो सकते हैं। हालांकि, इंश्योरेंस सिर्फ गाड़ी की मार्केट वैल्यू पर ही निर्भर नहीं करता। यह दुर्घटना, चोरी, प्राकृतिक आपदाओं और थर्ड–पार्टी से जुड़ी जिम्मेदारियों के कारण अचानक होने वाले के खर्चों से भी सुरक्षा देता है। इसलिए, इंश्योरेंस कवरेज का फैसला सिर्फ गाड़ी की आयु के मुताबिक नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों और संभावित जोखिमों को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

पुरानी कारों के लिए इंश्योरेंस क्यों महत्वपूर्ण है

कई साल पुरानी होने के बाद भी कार रोजमर्रा की जिंदगी का एक अहम हिस्सा बनी रहती है। चाहे कार का इस्तेमाल रोज ऑफिस आने–जाने, परिवार के साथ घूमने या कभी–कभार यात्रा करने के लिए होता हो, सही इंश्योरेंस कवरेज होने से अचानक आने वाले बड़े खर्चों की चिंता कम हो जाती है।

दुर्घटना से होने वाले नुकसान से सुरक्षारू सड़क पर दुर्घटना या अचानक कोई अनहोनी कभी भी हो सकती है, फिर चाहे गाड़ी कितनी भी पुरानी क्यों न हो। कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस दुर्घटना, टक्कर, आग, प्राकृतिक आपदाओं और पॉलिसी में शामिल अन्य घटनाओं से होने वाले नुकसान को कवर करता है। इससे गाड़ी के मालिकों को मरम्मत के खर्च को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलती है।

चोरी से सुरक्षारू कई साल पुरानी होने के बाद भी कार एक कीमती संपत्ति होती है। पैकेज पॉलिसी में गाड़ी चोरी होने की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा मिलती है, जिससे चोरी के कारण होने वाले बड़े आर्थिक नुकसान का बोझ कुछ कम हो सकता है।

थर्ड–पार्टी देयता से सुरक्षारू भारत में सभी वाहनों के लिए थर्ड–पार्टी कार इंश्योरेंस अनिवार्य है। यह थर्ड पार्टी को लगी चोटों, मृत्यु या प्रॉपर्टी के नुकसान से जुड़ी कानूनी और फाइनेंशियल देयताओं को कवर करता है। कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस में इंश्योर्ड वाहन के लिए सुरक्षा प्रदान करते समय इस अनिवार्य कवर को शामिल किया जाता है।

गाड़ी चलाते समय अधिक आत्मविश्वासरू पर्याप्त इंश्योरेंस कवरेज होने से गाड़ी चलाते समय मन में ज्यादा आत्मविश्वास रहता है। चाहे आप शहर की व्यस्त सड़कों पर गाड़ी चला रहे हों या लंबी दूरी का सफर कर रहे हों, इंश्योरेंस आपको कई तरह के संभावित जोखिमों से सुरक्षा देता है।

पुरानी कारों के लिए इंश्योरेंस विकल्पों को समझें

थर्ड–पार्टी इंश्योरेंसरू थर्ड–पार्टी इंश्योरेंस वाहन के स्वामित्व के लिए कानूनी आवश्यकता को पूरा करता है। यह किसी दूसरे व्यक्ति को चोट लगने, उसकी मृत्यु होने या उसके वाहन अथवा संपत्ति को नुकसान पहुंचने पर होने वाली कानूनी और आर्थिक जिम्मेदारियों को कवर करता है।

कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंसरू कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस में थर्ड–पार्टी लायबिलिटी कवरेज के साथ आपकी अपनी गाड़ी को भी दुर्घटना, चोरी, आग और प्राकृतिक आपदाओं जैसे जोखिमों से सुरक्षा मिलती है। भले ही इसे आमतौर पर नई गाड़ियों के साथ जोड़ा जाता है, लेकिन यह पुरानी कारों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है, बशर्ते वे नियमित रूप से चलती हों, अच्छी स्थिति में हों, किसी खास जगह के जोखिमों के दायरे में आती हों या आपके मन के करीब हों। सिर्फ थर्ड–पार्टी इंश्योरेंस के मुकाबले यह आपको और भी ज्यादा सुरक्षा देता है, जिससे अचानक आने वाले खर्चों से बचने में काफी मदद मिलती है।

इनमें से कौन सा विकल्प चुनना है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप गाड़ी का इस्तेमाल कैसे करते हैं, आपका बजट कितना है और आप गाड़ी के लिए कितनी सुरक्षा चाहते हैं।

कवरेज चुनने से पहले इन कारकों पर विचार करें

पुरानी कार भी हमारे लिए एक कीमती चीज होती है, इसलिए सड़क पर आने वाली हर तरह की अनहोनी या दिक्कतों से बचाने के लिए इसे भी अच्छी सुरक्षा की जरूरत होती है। गाड़ी की इंश्योर्ड वैल्यू समय के साथ भले ही कम हो जाए, लेकिन दुर्घटना, चोरी, प्राकृतिक आपदाओं और थर्ड–पार्टी देयताओं का खतरा हमेशा बना रहता है। कॉम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस लेने से आपको पैसों के मामले में पूरी सुरक्षा मिल जाती है और गाड़ी के साथ अचानक होने वाले किसी भी नुकसान का खर्च उठाने में आसानी होती है। पुरानी कार के लिए इंश्योरेंस चुनते समय यह देखना फायदेमंद रहता है कि पॉलिसी कुल मिलाकर आपको कितनी सुरक्षा दे रही है। कॉम्प्रिहेंसिव कवर के साथ–साथ सही ऐड–ऑन कवर लेने से सुरक्षा का दायरा और बढ़ जाता है, जिससे कार मालिक अपनी जरूरत के हिसाब से पूरी सुरक्षा पा सकते हैं। जो लोग गाड़ी के इस्तेमाल के हिसाब से प्रीमियम में थोड़ी छूट चाहते हैं, उनके लिए इंश्योरेंस कंपनियां श्पे–एज–यू–ड्राइवश या श्यूसेज–बेस्डश (इस्तेमाल पर आधारित) प्लान का विकल्प भी देती हैं। अलग–अलग फीचर्स और फायदों की अच्छे से समीक्षा करके कार मालिक ऐसा प्लान चुन सकते हैं जो उन्हें सही सुरक्षा दे और बिना किसी चिंता के बेफिक्र होकर सफर करने में मदद करे।

सुन हमला देश के ऊपर बंदूक उठा...ट्रंप ने धमकाया, इधर ईरान ने महिलाओं को भी बंदूक थमाया, जमीनी हमले से निपटने की तैयारी तेज!

अमेरिका और इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान में महिलाओं को संभावित जमीनी हमले से बचाव के लिए हथियारों का सैन्य प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी पर ईरान ने साफ किया है कि किसी भी सैन्य टकराव का पहले से कहीं ज्यादा कड़ा जवाब दिया जाएगा।देश की रक्षा की खातिर अपने जान की बाजी लगाना त्याग का सबसे बड़ा उदाहरण माना जाता है। प्राचीन धर्म ग्रंथों तक में लिखा गया है कि श्जननी, जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसीश अर्थात माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी बढ़कर है। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच गहराते तनाव और युद्ध की आहट के बीच तेहरान में महिलाओं ने भी मोर्चे की तैयारी शुरू कर दी है। पिछले आठ महीनों से जारी संघर्ष के बीच जब वाशिंगटन और तेहरान एक–दूसरे को सीधी चेतावनियां दे रहे हैं, तब किसी भी संभावित जमीनी हमले से निपटने के लिए ईरानी महिलाएं रविवार को हथियारों का कड़ा प्रशिक्षण लेने मैदान में उतर आईं। इमाम हुसैन स्क्वायर स्थित एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर इन महिलाओं ने पहले सैन्य अधिकारियों और प्रशिक्षकों से रणनीतिक गुर सीखे, और फिर हैंडगन समेत कई आधुनिक हथियारों को थामने, लोड करने और सटीक निशाना साधने का अभ्यास किया। हाथों में चूड़ियों की जगह बंदूकों की कमान थामे ये महिलाएं साफ संदेश दे रही हैं कि वतन की हिफाजत के लिए वे किसी भी चुनौती से टकराने को तैयार हैं।यह ट्रेनिंग ईरान द्वारा श्हफ्त–ए–तीर स्क्वायरश पर एक और सिविलियन मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर खोलने के एक दिन बाद हुई। ट्रेनिंग सेंटर्स से मिली फुटेज और रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन सुविधाओं का मकसद आम नागरिकों को अमेरिकी और इजराइली सेनाओं का जमीनी हमले की स्थिति में सामना करने के लिए तैयार करना है। हिस्सा लेने वाली कुछ महिलाओं के लिए, ये ड्रिल लड़ाई–झगड़े के बजाय अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए तैयार रहने के बारे में ज़्यादा थीं। 45 साल की प्रतिभागी राहेलेह घादिरी ने कहा कि युद्ध के समय अपने परिवार और पड़ोस की सुरक्षा करना सीखने से उनका डर कम होगा।ट्रंप की चेतावनी और महिलाओं को मिलिट्री ट्रेनिंगतेहरान से ये तस्वीरें तब सामने आईं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि वे ईरान के बारे में बहुत जल्द कोई फैसला ले सकते हैं। इससे संकेत मिलता है कि वॉशिंगटन अपने अगले कदम पर विचार कर रहा है, क्योंकि शांति स्थापित करने और संघर्ष खत्म करने की कोशिशें अटकी हुई हैं। ट्रंप ने ओहायो जाने के लिए व्हाइट हाउस से निकलने से पहले पत्रकारों से कहा ईरान को बुरी तरह नुकसान पहुँचाया गया है। इसलिए अब सवाल बस यह है कि यह रास्ता आसान होगा या मुश्किल। ओहायो में वे नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने जा रहे थे। ट्रंप की इस चेतावनी का जवाब ईरान के विदेश मंत्री अरागची ने कड़े तेवर के साथ दिया। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि इस विवाद को सैन्य ताकत या और प्रतिबंध लगाकर सुलझाया जा सकता है। विदेशी राजदूतों की एक बैठक में अरागची ने कहा अगर हमारे दुश्मन फिर से सैन्य टकराव का रास्ता चुनते हैं, तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज़्यादा कड़ा होगा और हम और भी ज़्यादा ताकत के साथ अपना बचाव करेंगे। उन्होंने कहा इसका कोई सैन्य समाधान नहीं है और न ही नए प्रतिबंधों से कोई हल निकल सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि केवल न्याय और निष्पक्षता पर आधारित बातचीत से ही इस विवाद को खत्म किया जा सकता है। जब कूटनीतिक कोशिशें रुकी हुई हैं

नीति आयोग के निदेशक ने गांवों एवं अस्पतालो में पहुंचकर विभिन्न योजनाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं का जाना हाल

कुशीनगर (आरएनएस)। नीति आयोग भारत सरकार के निदेशक मनीष कुमार विमल द्वारा अपने दो दिवसीय जनपद प्रवास के दौरान भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी विकास योजनाओ एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत का आकलन किया।। निदेशक नीति आयोग भारत सरकार श्री विमल ने पहले दिन जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में आकांक्षात्मक विकास खण्ड कार्यक्रमो के लिए चिन्हित 40 सूचकांकों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला अर्थ संख्याधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, शोधार्थी तथा जनपद एवं विकास खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के उपरांत उन्होंने ग्राम पंचायत दांदोपुर में पहुंच कर समूह की महिलाओं से वार्ता, भारत नेट की स्थिति, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में एनक्यूएएस की स्थिति, आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चों को अन्नप्राशन संस्कार किया गया। निदेशक श्री विमल दूसरे दिन ग्राम पंचायत पड़री पिपरपाती का भ्रमण कर विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी सेवाओं की जमीनी स्थिति का स्थलीय आकलन किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण करते हुए एनक्यूएएस की स्थिति, उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं तथा आमजन को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं, साफ–सफाई एवं मरीजों को मिल रही सुविधाओं का भी अवलोकन किया। इसके उपरांत निदेशक ने उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में बालक–बालिकाओं के लिए उपलब्ध पृथक शौचालय की व्यवस्था, स्मार्ट क्लास एवं अन्य शैक्षिक सुविधाओं का अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शिक्षण वातावरण की जानकारी ली। विद्यालय के बच्चों द्वारा जल की गुणवत्ता परीक्षण का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान निदेशक ने आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार कार्यक्रम में सहभागिता की तथा बच्चों के पोषण एवं आंगनवाड़ी केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के क्रम में पंचायत भवन में संचालित सेवा संकल्प अभियान का भी अवलोकन किया गया। यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के धरातल पर क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों से योजनाओं के लाभार्थियों एवं उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया जाए।इसके पश्चात निदेशक ने ग्राम पंचायत में स्थापित लाइब्रेरी का निरीक्षण किया तथा वहां अध्ययनरत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र–छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनकी तैयारियों, अध्ययन संबंधी आवश्यकताओं एवं उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें निरंतर परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भ्रमण के दौरान जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्रवण कुमार, खण्ड विकास अधिकारी अखंड प्रताप, शोधार्थी प्रवीण अग्निहोत्री सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमीन पर कब्जे के विवाद में महिला और बेटियों को पीटा

गोण्डा। नवाबगंज थाना क्षेत्र के मैनपुर गांव में जमीन पर कब्जे को लेकर चल रहे विवाद में रविवार को देर रात महिला और उसकी बेटियों के साथ मारपीट के मामले मे पीड़िता के तहरीर पर पुलिस ने गांव प्रधान दुर्गा सिंह सहित चार लोगो पर विभिन्न धाराओं मे सोमवार को मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरु कर दिया है।दी तहरीर मे मैनपुर गांव की पीड़िता धर्मावती ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर चार लोगों पर गाली–गलौज और लाठी–डंडे से मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धर्मावती के मुताबिक रविवार रात करीब नौ बजे उसे जानकारी मिली कि गांव के प्रधान दुर्गा सिंह, कन्हैयालाल, केशवराम और सीताराम उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस पर वह मौके पर पहुंची और जमीन पर कब्जा करने का विरोध किया।आरोप है कि विरोध करने पर विपक्षी गाली–गलौज करने लगे और लाठी–डंडे से उसकी पिटाई कर दी। शोर सुनकर धर्मावती की बेटियां मौके पर पहुंचीं और बीच–बचाव करने लगीं। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने बेटियों के साथ भी मारपीट की। घटना के बाद पीड़िता ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।इस घटना के बाबत थानाध्यक्ष मृत्युंजय सिंह ने मोबाइल पर बताया कि पीडित महिला की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

डायरिया के प्रति जागरुकता में बड़ी भूमिका निभाएंगे दवा विक्रेता

गोण्डा। मेडिकल स्टोर पर आने वाले डायरिया पीड़ितों या उनके परिजनों को दवा विक्रेता डायरिया की शीघ्र पहचान, बचाव और ऐसे में ओआरएस व जिंक की महत्ता के बारे में बताने के साथ ही स्थानीय सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाने का परामर्श भी देंगे। दवा विक्रेताओं और केमिस्ट एसोसिएशन की सोमवार को स्थानीय एक होटल में आयोजित अभिमुखीकरण कार्यशाला में यह फैसला लिया गया कि डायरिया के प्रति जागरूकता में वह हरसम्भव मदद करेंगे। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जनपद में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने की। इस मौके पर श्री सिंह ने कार्यक्रम को सफल बनाने में हरसम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समुदाय में डायरिया को लेकर आज भी बहुत सी भ्रांतियां व्याप्त हैं, जिनको दूर करना बहुत जरूरी है, इस दिशा में एसोसिएशन मदद करेगा। उन्होंने कहा कि डायरिया की शुरुआत में ही पहचान कर ओआरएस का घोल दिया जाए तो गंभीर स्थिति तक पहुँचने से बच्चे को बचाया जा सकता है। 24 घंटे में यदि तीन बार पतली दस्त आ रही है तो यह डायरिया के लक्षण हो सकते हैं और यह लम्बे समय तक बनी रहे तो यह गंभीर डायरिया का रूप ले सकती है। निजी क्षेत्र में अब लिक्विड के रूप में भी निर्मित ओआरएस का घोल उपलब्ध है। उन्होंने रोटा वायरस वैक्सीन के बारे में भी जानकारी दी। कार्यशाला में पीएसआई इंडिया के पंकज पाठक ने 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 13 और बिहार के तीन जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसमें शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। डायरिया से किसी भी बच्चे की मौत न होने पाए, इसमें केमिस्ट बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इस मौके पर केमिस्ट नितिन गोयल के सवालों का जवाब देते हुए बताया कि दस्त के दौरान भी स्तनपान जारी रखना चाहिए क्योंकि मां का दूध बच्चे को पोषण और ताकत देता है। डायरिया से बचने के लिए हाथों की सही तरीके से स्वच्छता भी बहुत जरूरी है। शौच तथा बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने व खाने और बच्चों को खिलाने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह साबुन–पानी से धोना जरूरी है। शुद्ध पेयजल का ही इस्तेमाल करें। घर का बना ताजा और पौष्टिक भोजन का ही सेवन करें। खुले में शौच करने से बचें और बच्चों के मल का सही तरीके से निस्तारण करें। घर और आस–पास साफ–सफाई रखें। कार्यशाला के अन्त में केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश सिंह ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

थांग-ता मार्शल आर्ट नवाबगंज के अब्दुल और रुद्र ने जीता स्वर्ण, स्कूल नेशनल के लिए चयन

नवाबगंज (गोण्डा) फैजाबाद के डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में 3 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2026 तक आयोजित स्कूल स्टेट थांग–ता मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में नवाबगंज (गोण्डा) के खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। गुरु इमरान अली के कुशल मार्गदर्शन में खेल रहे इन खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देवीपाटन मंडल का गौरव बढ़ाया है और प्रतिष्ठित स्कूल नेशनल गेम्स (chool National Game) के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल नेशनल में जगह बनाने वाले खिलाड़ी– अब्दुल सलाम (न्दकमत–17), डी.ए.वी. इंटर कॉलेज के कक्षा 11वीं के छात्र अब्दुल सलाम ने अपनी आयु वर्ग में बेहतरीन दांव–पेंच दिखाते हुए स्वर्ण पदक जीता। अब्दुल विष्णोहरपुर गाँव के रहने वाले हैं और उनके पिता का नाम फक्रुद्दीन है।रुद्र सिंह (न्दकमत–14), बाबा गुरुकुल एकेडमी के कक्षा 8वीं के छात्र रुद्र सिंह ने भी कड़े मुकाबले में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। रुद्र अनभुला गाँव के निवासी हैं और उनके पिता का नाम सूरज सिंह है। खिलाड़ियों की इस बड़ी कामयाबी पर कोच गुरु इमरान अली ने खुशी जताते हुए कहा, ष्इन बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत और अनुशासन से आज राज्य स्तर पर स्वर्ण जीता है। अब हमारा अगला लक्ष्य स्कूल नेशनल में भी गोल्ड मेडल जीतकर देवीपाटन मंडल और उत्तर प्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन करना है। ग्रामीण अंचल के इन होनहार खिलाड़ियों की इस स्वर्णिम सफलता पर डी.ए.वी. इंटर कॉलेज और बाबा गुरुकुल एकेडमी प्रबंधन, शिक्षकों, खेल प्रेमियों तथा क्षेत्र के नागरिकों ने बधाई देते हुए स्कूल नेशनल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी की मौजूदगी में हुई भाजपा की मासिक बैठक

गोण्डा 5 अक्टूबर। संगठन की मजबूती से लक्ष्य को हासिल करने में सफलता मिलती है और लक्ष्य है आगामी विधानसभा चुनावों में सातो सीट जीत कर भाजपा की सरकार तीसरी बार प्रदेश में बनवाना व 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को विकसित राष्ट्र बनाना। यह बात भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने अपने जिला कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के मध्य मुख्य अतिथि के रूप में कही। मुख्य अतिथि ने कहा कि संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए बूथ स्तर तक प्रवास का कार्यक्रम किया जा रहा है ।आगामी सात अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा विकसित भारत का संकल्प के कार्यक्रम में सातों विधानसभा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों का जिले में कार्यक्रम आयोजित होगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अकबाल बहादुर तिवारी ने करते हुए कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाली सेवा संकल्प अभियान के सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से संगठन व कार्यकर्ताओं के सहयोग से संचालित किए जा रहे हैं। जनकल्याण कारी योजनाओं को लेकर हम जनता को लाभान्वित करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित व्यक्तियों को कैसे लाभान्वित किया जाए इसके लिए मंडल व बूथ स्तर पर संगठन द्वारा प्रयास किया जा रहा है, कोई भी व्यक्ति सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रह जाए। इससे पूर्व,क्षेत्रीय महामंत्री व जिला अध्यक्ष द्वारा प्रदेश में किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री बनाए गए आशीष त्रिपाठी व अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नंद किशोर "नंदू" को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राकेश तिवारी ने किया व समापन जिला के वरिष्ठ भाजपा नेता के के श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विवेक मणि श्रीवास्तव ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष सूर्य नारायण तिवारी व सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह,महामंत्री रंजीत कश्यप,अर्जुन तिवारी,राजीव रस्तोगी,राजा बाबू गुप्ता राजेश तिवारी,नीरज मौर्या,विशाल अग्रवाल,संदीप सिंह विष्णू पाण्डेय,जितेंद्र पाण्डेय शशांक मिश्रा अशोक पाण्डेय विक्की मिश्रा,उमेश शुक्ला अभिषेक दत्त त्रिपाठी विद्या भूषण द्विवेदी,रेखा द्विवेदी,निती श्रीवास्तव डॉ अनिल कुमार अवधेश तिवारी,राघव राम तिवारी, अमर पाठक, अतुल श्रीवास्तव आदि पदाधिकारी व कार्यसमिति के सदस्य व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में जनजागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कुशीनगर, (आरएनएस)। सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत कस्तूरबा बालिका विद्यालय नेबुआ नौरंगिया में हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, कुशीनगर के तत्वावधान में जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्ट्रीक्ट मिशन कोआर्डिनेटर नलिन सिंह ने की।कार्यक्रम में नलिन सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, आयुष्मान गोल्डन कार्ड एवं वृद्धावस्था पेंशन सहित अन्य योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जेंडर स्पेशलिस्ट प्रीती सिंह ने चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वन स्टॉप सेंटर हेल्पलाइन 181, महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112 तथा एम्बुलेंस सेवा 108 एवं 102 के संबंध में जानकारी देते हुए इनके उपयोग एवं आवश्यकता के समय सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में छात्राओं को जागरूक किया। बन्दना कुशवाहा ने बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए छात्राओं को इनके विरुद्ध जागरूक किया। वहीं, वन स्टॉप सेंटर की स्टाफ नर्स चन्दा सिंह ने मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने घरेलू हिंसा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 181 तथा इसके माध्यम से उपलब्ध सहायता एवं कार्यप्रणाली के बारे में भी छात्राओं को जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान असिस्टेन्ट एकाउंटेन्ट अमन मिश्रा द्वारा विभागीय योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए तथा पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का लाभ लेने एवं पात्र व्यक्तियों को लाभ दिलाने में सहयोग करने का अनुरोध किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की बालिकाओं द्वारा 'बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ' तथा 'गुड टच–बैड टच' विषय पर नाटक प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डेन रेनू गुप्ता, मनीष गौड़, सविता चौरसिया, कु. श्वेता एवं रेनू प्रसाद सहित विद्यालय की सैकड़ों बालिकाएं उपस्थित रही।

पांच किलो एफटीएल सिलेंडर बेचने की कथित जबरन व्यवस्था से नाराज वितरक, डीएम से कार्रवाई की मांग

कुशीनगर, (आरएनएस)। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन, आई के बैनर तले एलपीजी वितरकों ने गैस कंपनियों पर समझौते और निर्धारित नियमों के विपरीत काम करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से मिल कर शिकायत की। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (आई) की ओर से दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि वितरकों पर 5 किलोग्राम एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी), 19 किलोग्राम एनडी तथा एआरबीधएनएफआर की बिक्री के लिए दबाव बनाया जा रहा है। एसोसिएशन का कहना है कि समझौते में 5 किलोग्राम एफटीएल की बिक्री का स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद कंपनियों द्वारा वितरकों के इंडेंट (मांग) में बदलाव कर इसकी आपूर्ति जबरन दिखाई जा रही है। पत्र में इसे एलपीजी आवश्यक वस्तु अधिनियम–1955 के प्रावधानों के विपरीत बताते हुए मामले में हस्तक्षेप की मांग की गई है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि समझौता पत्र में एचआरजीधएनएफआर, चूल्हा, रबर पाइप, लाइटर, एप्रन, चायपत्ती और पानी आदि की बिक्री का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। इसके बावजूद वितरकों को इन उत्पादों की बिक्री कर उनके लोड खाते से धनराशि काटे जाने का आरोप लगाया गया है। वितरकों ने यह भी आरोप लगाया कि 14.2 किलो ग्राम घरेलू सिलेंडर के साथ 19 किलोग्राम एमडी बेचने की बाध्यता का समझौते में स्पष्ट उल्लेख नहीं है। इसके बावजूद कंपनियां प्रत्येक लोड में निर्धारित मात्रा से अधिक माल भेजकर लक्ष्य पूरा करने के नाम पर वितरकों पर आर्थिक और मानसिक दबाव बनाया जा रहा हैं। एसोसिएशन ने कंपनियों द्वारा लागू किए गए एमडीजीजी का भी विरोध किया है। शिकायत के अनुसार इसके लिए वितरकों से अलग से हस्ताक्षर कराए गए हैं, जबकि मूल समझौते में इसका स्पष्ट उल्लेख नहीं है। एलपीजी वितरकों ने जिलाधिकारी से पूरे मामले का संज्ञान लेकर वितरकों पर कथित आर्थिक, मानसिक एवं अन्य प्रकार के दबाव को तत्काल बंद कराने तथा नियमों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है।

रावण के अत्याचार से कराह उठी धरती, भगवान श्रीराम ने लिया जन्म

करनैलगंज (गोण्डा)। गुड़ाही बाजार स्थित रामलीला भवन में रविवार रात श्रीरामलीला महोत्सव के दौरान भगवान श्रीराम जन्म की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। श्रीराम जन्म का दृश्य आते ही पूरा परिसर जयश्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। आतिशबाजी और बधाई गीतों से रामलीला भवन का माहौल भक्तिमय हो गया। लीला की शुरुआत रावण के अत्याचार के प्रसंग से हुई। रावण और उसके निशाचरों के बढ़ते आतंक से पृथ्वी कराह उठी। पृथ्वी ने गौ माता का रूप धारण कर देवताओं के साथ भगवान विष्णु के पास पहुंचकर रावण से मुक्ति की गुहार लगाई। भगवान विष्णु ने उन्हें आश्वस्त किया कि वह अंशों सहित अवतार लेकर रावण और निशाचरों का संहार करेंगे तथा धर्म की स्थापना करेंगे। इसके बाद राजा दशरथ ने श्रृंगी ऋषि के माध्यम से पुत्रेष्टि यज्ञ कराया। अग्निदेव द्वारा प्रदान किया गया चारु दशरथ की रानियों ने ग्रहण किया। इसके बाद कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा के यहां चार पुत्रों का जन्म हुआ। श्रीराम के जन्म के साथ ही बधाइयां बजने लगीं। श्रद्धालुओं ने जयश्रीराम के जयकारे लगाए और आतिशबाजी की गई। मंच पर 'भए प्रगट कृपाला, दीनदयाला, कौशल्या हितकारी' का गान हुआ। भगवान शिव ने भेष बदलकर बालक राम के दर्शन किए। इसके बाद गुरु वशिष्ठ ने चारों भाइयों का नामकरण संस्कार कराया। उपनयन संस्कार के बाद चारों राजकुमार गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करने चले गए। लीला का संचालन शिवनंदन वैश्य और कैलाश सोनी ने किया। मंचन में ब्रह्मा की भूमिका गिरिजा शंकर गिरी, विष्णु की सक्षम पांडेय, दशरथ की आशीष गिरी, इंद्र की नीरज जायसवाल, सुमंत की सौरभ वैश्य, रावण की कामता नाथ, वशिष्ठ की तानु पंडित, भृगु ऋषि की श्रीलाल शुक्ला, शंकर की अभिषेक पुरवार और नाऊ की अंकित वैश्य ने निभाई। इस मौके पर अध्यक्ष मोहित कुमार पांडेय, विश्वनाथ साह, गौरव वैश्य, अंकित जायसवाल, आदर्श मिश्रा, वेदप्रकाश, अभिनय साह, कमल वर्मा आदि मौजूद रहे।

यूजीसी रोलबैक के विरोध में उतरा कायस्थ समाज जिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

गोण्डा । केन्द्र सरकार द्वारा यूजीसी में किये गए संशोधन से जहां एक तरफ एक समाज बहुत ही खुश दिख रहा है वहीं दूसरी तरफ सवर्ण समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त है और कायस्थ ब्राह्मण व क्षत्रिय जाति के लोगों ने आक्रोशित होकर सरकार के विरोध में यूजीसी वापस हो के खूब लगा रहे नारे। इसी क्रम में जनपद की चित्रांश कल्याण समिति उत्तर प्रदेश गोण्डा में सैकड़ो सदस्यों के साथ संरक्षक अनिल कुमार, ओम प्रकाश व प्रेम शंकर श्रीवास्तव, अध्यक्ष दिलीप ,अरविंद सिन्हा, प्रभारी मंत्री पंकज उर्फ सुशील, सुशील श्रीवास्तव गोपाल विला,अजय, विकास मनोहर, ऋषभ, मनोज श्रीवास्तव, अतुल अजय कांग्रेसी समेत दर्जन भर समिति के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों से आक्रोशित होकर खूब लगाये यूजीसी रोल बैक के नारे और जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन जिसमें कहा गया की उक्त यूजीसी के नियमों में बदलाव हो जिससे देश के छात्रों में एक दूसरे के प्रति द्वेष की भावना उत्पन्न ना हो, आपस में समानता बनी रहे, उच्च अंकों के आधार पर नौकरी में प्राथमिकता दी जाए । यदि किसी भी सवर्ण जाति पर झूठा आरोप लगाकर एससी ध्एसटी का मुकदमा कायम किया जाए और जांचों परान्त यदि वह मुकदमा झूठा मिले तो ऐसी स्थिति में एससी एसटी का मुकदमा दायर करने वाले व्यक्ति से संपूर्ण सरकारी मुआवजा वापस लिया जाए तथा उसके विरुद्ध प्राथमिकी भी दर्ज हो।

ज्ञापन सौंपते समय विजित,अभय ,विनोद,आनंद, जितेंद्र, संतोष ,अवधेश, अरविंद, कोमल, सरिता, प्रतिमा, प्रतिभा,रेखा, सुशीला ज्ञानेश कुमार, राजकुमार, विनय उर्फ लल्ला मौजूद रहे।

योगाभ्यास से स्वस्थ जीवन का दिया संदेश

गोण्डा ।मुख्यालय पर आवास विकास कॉलोनी स्थित प्रेरणा पार्क में सोमवार को योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया।योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही अनुलोम–विलोम, कपालभाति एवं भ्रामरी प्राणायाम के माध्यम से श्वास–प्रश्वास को संतुलित करने और मानसिक शांति प्राप्त करने के उपाय बताए गए। शिविर में योग के नियमित अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, लचीलापन और एकाग्रता बढ़ाने के विषय में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को स्वस्थ एवं तनावमुक्त जीवन के लिए प्रतिदिन योग और प्राणायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं अनुशासित जीवन जीने की एक प्रभावी पद्धति है। ऐसे योग शिविरों का उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। शिविर का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योगाभ्यास जारी रखने का संकल्प लिया।

शिविर में अश्विनी कुमार,मनीष दुबे,मुकेश,मनोज शुक्ला,लाल जी पाठक, अजय श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव,शमीम खान,सचिन,डॉ आलोक कुमार,रश्मि टण्डन, प्रमिला श्रीवास्तव,गरिमा,ज्योति गुप्ता, जया,ललिता देवी,सुधा श्रीवास्तव,लक्ष्मी,पूनम दूबे आदि सहित अन्य जन उपस्थित रहे।

चरागाह की जमीन पर भूमाफिया का वार, मिट्टी खनन से बंजर होने की कगार पर उपजाऊ भूमि

गोण्डा । कर्नलगंज तहसील क्षेत्र में सरकारी चरागाह की जमीन पर मिट्टी खनन का मामला सामने आने से प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े हो गए हैं। विकासखंड परसपुर की ग्राम पंचायत खरगूपुर स्थित नकहा गौशाला की चरागाह भूमि से कथित तौर पर बड़े पैमाने पर उपजाऊ मिट्टी निकाले जाने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार मिट्टी हटाए जाने से जमीन की प्राकृतिक उर्वरता प्रभावित हो रही है और चरागाह के अस्तित्व पर भी खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक मामले की शिकायत हल्का लेखपाल से की गई। सूचना मिलते ही लेखपाल मौके पर पहुंचे और मिट्टी खनन से प्रभावित जमीन का आकलन करने के साथ फोटोग्राफी कराई। लेखपाल की कार्रवाई के बावजूद ग्रामीणों में यह सवाल उठ रहा है कि सरकारी चरागाह की जमीन पर आखिर इतनी गहराई तक मिट्टी कैसे निकाल ली गई और जिम्मेदारों को इसकी भनक पहले क्यों नहीं लगी। ग्रामीणों में चर्चा है कि मिट्टी खनन के पीछे प्रभावशाली लोगों का हाथ है।

आशा एवं आशा संगिनियों ने 26 हजार मानदेय की मांग को लेकर सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

गोण्डा । कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान जोखिम में डालकर स्वास्थ्य सेवाओं को गांव–गांव तक पहुंचाने वाली आशा एवं आशा संगिनियों ने अब अपनी उपेक्षा के खिलाफ आवाज बुलंद की है। आशा एवं आशा संगिनी कर्मचारी यूनियन की ओर से सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय व गोण्डा जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिला अधिकारी को संबोधित मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपकर न्यूनतम ध्26 हजार प्रतिमाह मानदेय निर्धारित किए जाने समेत विभिन्न मांगें उठाई गईं। यूनियन की अध्यक्ष अनीता शुक्ला की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि आशा एवं आशा संगिनियां स्वास्थ्य विभाग की जमीनी व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। कोरोना काल में उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना पूरी निष्ठा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान दिया, इसके बावजूद उन्हें आज भी बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है। कमरतोड़ महंगाई के दौर में अल्प मानदेय से परिवार का भरण–पोषण और बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाना मुश्किल हो गया है। ज्ञापन में कहा गया कि लगातार मांग और घोषणाओं के बावजूद आशा व आशा संगिनियों की समस्याओं का अपेक्षित समाधान नहीं हुआ है। इससे कार्यकर्ताओं में शासन–प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश एवं रोष व्याप्त है।

संघर्ष समिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आह्वान पर आगामी 8 अक्टूबर को लखनऊकूच करेंगे संविदा स्वास्थ्य कर्मी

मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सीएमओ को सौंपे एनएचएम कर्मी।

कुशीनगर, (आरएनएस)। भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में अन्य राज्यों की भाँति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत कर्मिकों को राज्य बजट से वेतन बृद्धि एवं अन्य लंबित मांगो के समाधान को लेकर आगामी 8 अक्टूबर से लखनऊ में प्रदेश व्यापी अनिश्चितकालीन आंदोलन किये जाने को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सोमवार को मुख्य चिकित्साधिकारी को संघर्ष समिति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जनपद इकाई के जिलाध्यक्ष डॉ रोहित कुमार की अगुवाई में सौंपा गया। संघर्ष समिति के जिला संयोजक संजीव कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन में मुख्य रूप से स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत संविदा कर्मियों जिनके द्वारा कोविड–19 के महामारी में अभूतपूर्व योगदान दिया गया उन्हें नियमितीकरण, समायोजन किया जाय, संविदा कर्मियों का न्यूनतम वेतन 18000 निर्धारित किया जाय, रिक्त पदों पर नियुक्ति किया जाय, ईपीएफ की कटौती हो, ग्रेच्युटी एवं कैशलेश स्वास्थ्य बीमा आदि का लाभ दिया जाय आदि प्रमुख है। इस दौरान सयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के जिला संयोजक डॉ मनोज राय, आरबीएसके के नोडल सूर्यप्रकाश सिंह, अर्बन कोआर्डिनेटर गंगेश, बीपीएम आशुतोष पटेल आदि सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कसया में प्रदेश उपाध्यक्ष टीबी सेवा एवं प्रदेश सचिव सयुक्त एनएचएम संघ आशुतोष मिश्र एवं आरबी एसके टीम के चिकित्सक डॉ संजय सिंह की अगुवाई में संविदा स्वास्थ्य कर्मियों ने अपनी मांगों का ज्ञापन अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी को सौंपा तथा काली पट्टी बांधकर कार्य बहिष्कार करते हुए अपना विरोध दर्ज किया। इस दौरान डॉ अनामिका, डॉ पल्लवी, राकेश पांडेय, प्रवीण पांडेय, सौरव, प्रकाश, सुनील, डॉ सावित्री, डॉ पल्लवी, डॉ नाजरीन, मीरा दुबे, संध्या, रेनू, पूनम राय, सुप्रिया, अर्चना, संध्या, सुनीता, इमरान, बलवंत कुशवाहा, शाहिद अंसारी आदि समेत अन्य सभी कर्मी उपस्थित रहे।

विघुत विभाग के स्टोर मे पासवर्ड का खेल, योगेन्द्र के आईडी पासवर्ड को संचालित कर रहा आउटसोर्सिंग कर्मचारी अमित

कुशीनगर,(आरएनएस)। जिले के पडरौना विद्युत उपकेन्द्र के स्टोर को आउटसोर्सिंग कर्मचारी अमित सिंह द्वारा नियम विरुद्ध व अवैध तरीके से संचालन को लेकर चल रहा विवाद अब नया गंभीर मोड़ ले लिया है। सवाल सिर्फ यह नहीं कि आउटसोर्सिंग कर्मचारी अमित सिंह को स्टोर का काम किस नियम और आदेश से मिला, बल्कि सवाल यह है कि विभागीय स्टोर इंचार्ज योगेन्द्र कुमार गुप्ता की अधिकृत यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल अमित सिंह कैसे कर रहा है? आखिर विभाग की डिजिटल पहचान किसके हाथ में है ? जानकारो का दावा है कि मामले की निष्पक्ष तकनीकी जांच होने पर कई परतें खुल सकती हैं।

सरकारी वित्तीय नियमों में स्टोर की अभिरक्षा, प्राप्ति, निर्गमन और सही अभिलेख रखने की जिम्मेदारी को गंभीरता से निर्धारित किया गया है। नियमों में स्टोर की कस्टडी सौंपे जाने वाले व्यक्ति से सुरक्षा की जिम्मेदारी लिए जाने का भी प्रावधान है। ऐसे में सवाल यह है कि जिस व्यक्ति के नाम पर विभागीय आईडी दर्ज है, वहा योगेन्द्र गुप्ता काम कर रहे है या उनकी डिजिटल पहचान के पीछे आउटसोर्सिंग कर्मचारी अमित सिंह बैठे है? मामला गंभीर है क्योंकि किसी अधिकारी व कर्मचारी की अधिकृत आईडी से होने वाली ऑन लाइन गतिविधियों का रिकॉर्ड सामान्यतः उसी यूजर प्रोफाइल से जुड़ता है। ऐसे में यदि आईडी योगेन्द्र की और संचालन अमित सिंह द्वारा किया जा रहा है तो स्टोर से संबंधित ऑनलाइन प्रविष्टि, सामग्री का निर्गमन, स्टॉक में बदलाव या अन्य डिजिटल कार्रवाई की जिम्मेदारी किसकी होगी? यही वह सवाल है जिसका जवाब अब विभागीय फाइल से नहीं, बल्कि सर्वर लॉग और तकनीकी जांच से मिल सकता है। जानकार बताते है कि यूपीपीसीएल की साइबर–सुरक्षा संबंधी आधिकारिक सामग्री में मजबूत पासवर्ड, यूजर प्रोफाइल की सुरक्षा और अनधिकृत पहुंच से बचाव पर स्पष्ट जोर दिया गया है। इसलिए इस मामले मे सिस्टम लॉग, लॉगिन हिस्ट्री, आईपी एड्रेस, डिवाइस विवरण और संबंधित डिजिटल ट्रांजेक्शन की निष्पक्ष जांच जरूरी है। सरकारी नियमों के मुताबिक स्टोर की प्राप्ति, अभिरक्षा, निर्गमन और लेखांकन में जिम्मेदारी तथा रिकॉर्ड की शुद्धता महत्वपूर्ण है। इसलिए अब केवल यह पूछना पर्याप्त नहीं कि अमित सिंह स्टोर का कार्य देखते थे या देखते है या नहीं। जांच का दायरा यह होना चाहिए कि किस तारीख को किस यूजर आईडी से कौन–सा काम हुआ और उस समय कंप्यूटर/डिवाइस किसके कब्जे में था। यदि आईडी योगेन्द्र गुप्ता की और संचालन अमित सिंह का था तो यह व्यवस्था किसके निर्देश पर चल रही थी? क्या इसकी लिखित अनुमति थी? क्या सक्षम अधिकारी को इसकी जानकारी थी? और यदि अनुमति नहीं थी तो इतने समय तक यह व्यवस्था चलती कैसे रही?।

इनसेट— योगेन्द्र गुप्ता और अमित सिंह दोनों की भूमिका जांच के घेरे मेंरू– यदि योगेन्द्र गुप्ता वास्तव में गोरखपुर और देवरिया स्टोर के साथ संबंधित स्टोर का प्रभार संभाल रहे हैं, तो उनकी

यूजर आईडी से होने वाली प्रत्येक गतिविधि की जवाबदेही भी महत्वपूर्ण हो जाती है। दूसरी ओर, यदि अमित सिंह आउट सोर्सिंग कर्मचारी होते हुए उस आईडी से स्टोर का संचालन कर रहे है, तो यह भी जांच का विषय है कि उन्हें ऐसा करने की अनुमति किस नियम के तहत किसने दी। यानी सवाल अब सिर्फ यह नही है कि अमित सिंह स्टोर का प्रभार कैसे सम्भाल रहे है। सवाल यह है कि अमित के हाथ में योगेन्द्र गुप्ता की डिजिटल पहचान कैसे पहुंची।

इनसेट— विभागीय गलती या, साइबर अपराधरू– सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66 सी में किसी अन्य व्यक्ति के इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर, पासवर्ड या विशिष्ट पहचान का धोखाधड़ी या बेईमानी से इस्तेमाल करना चोरी की पहचान के दायरे में आता है और इसके लिए तीन वर्ष तक की सजा तथा जुर्माने का प्रावधान है। वहीं धारा 43 बिना अनुमति कंप्यूटर या कंप्यूटर संसाधन तक पहुंच जैसे कृत्यों से संबंधित है और धारा 66, धारा 43 में वर्णित कृत्य को बेईमानी या धोखाधड़ी से किए जाने पर दंडनीय बनाती है। हालांकि सिर्फ पासवर्ड का किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल किए जाने की शिकायत से अपराध स्वतः सिद्ध नहीं होता। यह जांच का विषय है कि क्या उपयोग अधिकृत था, किसने अनुमति दी,

विद्यार्थियों को किशोरावस्था में कानून और सुरक्षा संबंधी जानकारी देना जरूरी

मीरजापुर। नाबालिगों से जुड़े यौन अपराध के मामलों में आपसी सहमति भी कानूनी कार्रवाई से बचाव का आधार नहीं बनती। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पॉक्सो अधिनियम के तहत विशेष संरक्षण प्राप्त है। ग्राम न्यायाधीश सुमित कुमार यादव ने मंगलवार को बापू उपरौध इंटर कॉलेज में आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में विद्यार्थियों को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पॉक्सो अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए बनाया गया है। बाल विवाह भी कानूनन प्रतिबंधित है। निर्धारित आयु से पहले विवाह कराने या उसमें सहयोग करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। उन्होंने विद्यार्थियों को छेड़खानी और पीछा करने जैसी घटनाओं के प्रति सजग रहने को कहा।शिविर में विद्यार्थियों ने न्यायाधीश से कानून के विभिन्न पहलुओं पर सवाल किए। विशाल सिंह ने पूछा कि ऐसे मामलों में अक्सर लड़कों पर ही कार्रवाई क्यों होती है। न्यायाधीश ने बताया कि कार्रवाई किसी के लड़का या लड़की होने के आधार पर नहीं बल्कि घटना और संबंधित कानूनी प्रावधान के आधार पर होती है। एक छात्रा ने पूछा कि जब दोनों नाबालिग हों और आपसी सहमति हो तो भी पॉक्सो क्यों लागू होता है। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को कानून विशेष संरक्षण देता है।उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के पीछा करने, छेड़खानी करने या परेशान करने पर चुप नहीं रहना चाहिए। घटना की सूचना अभिभावक, विद्यालय या पुलिस को तत्काल दें। आपात स्थिति में 112 नंबर पर सहायता ली जा सकती है।प्रधानाचार्य डॉ धर्मजीत सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को किशोरावस्था में कानून और सुरक्षा संबंधी जानकारी देना जरूरी है।

जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार पुरुष बैरक व महिला बैरक का किया निरीक्षण

मीरजापुर। जनपद न्यायधीश अनुपम कुमार, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने जिला कारागार पहुचंकर पुरुष बैरक व महिला बैरक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जेल के पुलिसकमिर्यो के द्वारा बन्दियों के पास रखे झोला आदि को खंगाला गया जिसमें किसी भी प्रकार आपित्तजनक वस्तु नहीं पाई गई। अधिकारियों द्वारा विभिन्न बैरको के अलावा महिला बैरक, जेल के अस्पताल व रसोईघर में पहुचंकर बन रहे भोजन का भी परीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि जेल अस्पताल में भर्ती बन्दियों का नियमित चिकित्सक के द्वारा परीक्षण किया जाए तथा इन्हें आवश्यकतानुसार दवाईयां ससमय उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण समय से भोजन दिया जाए तथा बन्दियों से कहा कि जिस किसी विधिक सहायता, सरकारी अधिवक्ता की आवश्यकता है तो जेल अधीक्षक के माध्यम से अवगत कराएं ताकि उन्हें मानक व पात्रता के अनुसार उपलब्ध कराई जा सके। जेल में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी अधिकारियो द्वारा देखा गया। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल कुमार, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड विजय शंकर गौतम, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आनन्द कुमार द्वितीय, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सीएल वर्मा, जेल अधीक्षक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

घर से गायब बालक को पुलिस ने 8 घंटे में बरामद कर परिजनों को सौंपा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के महेशपुर गांव में ननिहाल से गायब हुए दस वर्षीय बालक को पुलिस की सक्रियता से आठ घंटे के भीतर सोमवार की देर रात प्रयागराज रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। क्षेत्र के महेशपुर गांव निवासी रमन सिंह का नाती वंश सैनी पुत्र सोनू सैनी निवासी समया सोनीपत हरियाणा जो दिमागी रूप से विक्षिप्त है। सोमवार शाम को बिना बताए घर से कहीं चला गया। खोजबीन के बाद भी बालक के नही मिलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

दीपनगर में पीएचसी प्रभारी की कार्रवाई से हड़कंप

मड़िहान, मीरजापुर। पटेहरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी द्वारा दीपनगर बाजार में अवैध रूप से चल रहे झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने से हड़कंप मच गया। हालांकि, इस जांच प्रक्रिया को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में भारी असंतोष और आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि जांच के दौरान पीएचसी प्रभारी को पूरे बाजार में मात्र दो झोलाछाप दुकानें ही दिखाई दीं, जबकि दीपनगर बाजार में दर्जनों की संख्या में झोलाछाप डॉक्टर बिना किसी वैध डिग्री के धड़ल्ले से क्लिनिक खोलकर मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि पीएचसी प्रभारी अपने निजी स्वार्थ के चलते बाकी अवैध क्लीनिकों को खुली छूट दे रहे हैं। जांच के दौरान कई ग्रामीणों ने मौके पर ही पीएचसी प्रभारी से अन्य झोलाछाप क्लीनिकों की ओर इशारा करते हुए जांच की मांग की, लेकिन आरोप है कि उन्होंने इन शिकायतों को पूरी तरह अनदेखा कर दिया। ग्रामीणों ने पीएचसी प्रभारी पर झोलाछाप डॉक्टरों के साथ मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया है।पीएचसी प्रभारी का कहना है कि दीपनगर में खुले दो अवैध झोलाछाप क्लीनिकों को नोटिस जारी कर दिया गया है और उनके विरुद्ध नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर सभी अवैध क्लिनिकों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे उच्च अधिकारियों से इसकी लिखित शिकायत करेंगे।

मर्डर को सुसाइड का रूप देने का सनसनीखेज आरोप

मीरजापुर। जिले से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जहां परिजनों ने अपने बेटे की हत्या कर पेड़ पर लटकाने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। सबसे बड़ा सवाल जो पूरी घटना को फांसी नहीं बल्कि हत्या की साजिश की तरफ इशारा कर रहा है वो ये है – भला कोई व्यक्ति अपने हाथ खुद बांधकर फांसी कैसे लगा सकता है? मामला संतनगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित पिता के अनुसार उनके पुत्र शिवम का गांव की ही एक युवती बेबी उर्फ बबिता से प्रेम प्रसंग था। आरोप है कि जब शिवम ने शादी से इनकार किया तो युवती के परिजन उसे जान से मारने की धमकी दे रहे थे। परिजनों के अनुसार 6 सितंबर 2026 को युवती पक्ष ने सुनियोजित तरीके से शिवम को घर से दीपनगर बुलाया। रात को शिवम घर नहीं लौटा तो परिजनों ने काफी तलाश की। उसी रात 10रू08 मिनट पर युवती ने फोन कर कहा कि षशिवम अब घर नहीं आएगा, उसे भूल जाओ, अब तुम लोग उसका मरा हुआ मुंह ही देखोगे।ष कुछ देर बाद गांव के एक व्यक्ति से पता चला कि शिवम का शव पेड़ पर लटका है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि शिवम की हत्या कर शव को पेड़ पर लटका दिया गया है। परिजनों का आरोप है कि युवती ने अपने परिवार और दो अन्य युवकों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

’तीन बड़े सवाल जो हत्या की ओर इशारा कर रहे हैं ’

बंधे हुए हाथों से कैसे फांसी? परिजनों का सबसे बड़ा आरोप है कि मृतक शिवम के दोनों हाथ बंधे हुए थे। अगर यह आत्महत्या थी तो हाथ किसने और क्यों बांधे? मोबाइल से मिटा राजरू परिजनों का आरोप है कि शिवम का मल्टीमीडिया मोबाइल गायब है। आशंका है कि मोबाइल में युवती और उसके परिवार से जुड़े कई राज थे, इसलिए सबूत मिटाने के लिए मोबाइल गायब कर दिया गया। पुलिस पर जल्दबाजी का आरोपरू परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि सूचना देने के बावजूद पुलिस ने मौके पर फॉरेंसिक टीम को नहीं बुलाया और हड़बड़ी में शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आखिर पुलिस को ऐसी क्या जल्दी थी कि बिना साक्ष्य जुटाए ही शव उतार दिया? पीड़ित पिता ने थाने पर सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अब एसपी से थानाध्यक्ष संतनगर को मुकदमा दर्ज करने का आदेश देने की गुहार लगाई है। फिलहाल पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच की बात कही है।

8वें वेतन आयोग में पेंशन शामिल करने समेत 12 मांगों को लेकर सेवानिवृत्त कर्मचारियों का हल्लाबोल

मीरजापुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी, शिक्षक समन्वय समिति, उत्तर प्रदेश एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी, पेंशनर्स एसोसिएशन, उप्र के बैनर तले 29 सितंबर 2026 को जिला मुख्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया है। जिलाध्यक्ष धर्मदेव उपाध्याय ओर से जिलाधिकारी मिर्जापुर के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन के जरिए बताया गया है कि ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट पेंशनर फेडरेशन के आह्वान पर देश व प्रदेश के सभी जनपदों में आज आम सभा प्रदर्शन किया।

धरना–प्रदर्शन करते हुए मांग किया कि 1 जनवरी 2026 के पूर्व रिटायर पेंशनरों की 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के दायरे में लाने सहित 12 सूत्रीय मांगें शामिल है। संगठन के पदाधिकारियों द्वारा कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन व मांग पत्र सौंपा गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष धर्मदेव उपाध्याय, जिला उपाध्यक्ष रामधनी सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बजरंगी कुशवाहा, कोषाध्यक्ष होसला प्रसाद आदि मौजूद रहे हैं।लालगंज, मीरजापुर। थाना क्षेत्र के सेमरी कला गांव में किसान नाथूराम विश्वकर्मा ने बैंक मैनेजर और ग्राम प्रधान पति पर फर्जी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) लोन मंजूर कराने का आरोप लगाया है। पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक से मिलकर शिकायत की। एसपी ने लालगंज के प्रभारी निरीक्षक को कार्रवाई का निर्देश दिया है। लालगंज थाना क्षेत्र के सेमरी कला के पीड़ित किसान के मुताबिक साल 2025 में धान बेचने के बाद बैंक में पैसा निकालने के नाम पर ग्राम प्रधान के पति और बैंक मैनेजर ने उनके कागजात पर अंगूठा लगवा लिया। आधार कार्ड, खतौनी और बैंक पासबुक जैसे दस्तावेज भी ले लिए गए। आरोप है कि किसान को बिना बताए उसकी जमीन पर हजारों रुपए का लोन पास करवा लिया गया। पीड़ित को सिर्फ 8 हजार रुपए दिए गए, बाकी रकम आपस में बांट ली गई। किसान को धोखाधड़ी का पता तब चला जब वृद्धा पेंशन केसीसी खाते में जमा मिली। नाथूराम विश्वकर्मा ने जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और फर्जी लोन रद्द करने की मांग की है।

बीआरसी सभागार में प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक हुई संपन्न

लालगंज, मीरजापुर। स्थानीय विकास खंड क्षेत्र के बीआरसी कार्यालय लहंगपुर पर मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी लालगंज शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में न्याय पंचायत के समस्त प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारने और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान खंड शिक्षा अधिकारी लालगंज शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी ने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए कि विद्यालयों में ज्यादा से ज्यादा नवीन नामांकन किया जाए। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। साथ ही डीबीटी, स्मार्ट क्लास, एसएमसी खाते राष्ट्रीयकृत बैंक में खोले जाने के संबंध में, कन्या सुमंगला योजना की पात्र बालिकाओं के ऑनलाइन आवेदन। विद्यालय में जन्मोत्सव एवं विशेष दिवस पर तिथि भोजन कराए जाने की स्थिति एवं लाभार्थी की संख्या उपलब्ध कराए जाने के संबंध में एवं एजेंडा बिंदु के तहत सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने विद्यालय संबंधित सभी विभागीय कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बंजर भूमि पर कब्जे का आरोप, आईपीएस अधिकारी के भाई पर कार्रवाई की मांग

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के ग्राम धोबहट निवासिनी आरती यादव ने बंजर भूमि पर अवैध कब्जा और रास्ता अवरुद्ध किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और न्याय दिलाने की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में आरती यादव ने सरकारी भूमि पर निर्माण कराने और विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में स्थानीय प्रशासन से जांच कर कार्रवाई की मांग किया गया है।कलवारी थाना क्षेत्र के धोबहट निवासी आरती यादव पत्नी अशोक कुमार ने एसपी को दिये पत्र में कहा है कि उसके मकान के पास पूर्व दिशा में स्थित भूमि के संबंध में विवाद चल रहा है। विवादित भूमि के बगल में स्थित गाटा संख्या 360 राजस्व अभिलेखों में डहर, बंजर भूमि के रूप में दर्ज है, जबकि वह स्वयं गाटा संख्या 565 की आबादी भूमि पर मकान बनाकर निवास कर रही हैं।

प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि गांव के ही अंबिका प्रसाद पुत्र स्वर्गीय राजेश यादव ने हाल ही में एक बैनामा कराया है, लेकिन बैनामे में दर्शाई गई भूमि और मौके की वास्तविक स्थिति में अंतर है. शिकायतकर्ता का दावा है कि दस्तावेजों में दिखाई गई जमीन मुख्य मार्ग से लगभग 500 मीटर दूर बताई गई है, जबकि जिस स्थान पर निर्माण किया जा रहा है वह मुख्य मार्ग के निकट स्थित है। बैनामा शुदा जमीन के स्थान पर अन्य भूमि को जबरिया कब्जे में लिया जा रहा है।महिला का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा सरकारी बंजर भूमि पर कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है, जिससे उनके घर तक आने–जाने का रास्ता प्रभावित हो रहा है. शिकायत में यह भी कहा गया है कि निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी की दीवार और छप्पर को नुकसान पहुंचाया गया, जिसके कारण उनका मार्ग अवरुद्ध हो गया है।प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि आरोपित व्यक्ति के बड़े भाई एक आईपीएस अधिकारी हैं तथा उनके भाभी सीजेएम पद पर कार्यरत हैं। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इन प्रभावशाली पदों का अनुचित लाभ उठाकर सरकारी भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है. हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि विरोध करने पर उन्हें फर्जी मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उसने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, राजस्व विभाग से स्थलीय निरीक्षण कराने और विवादित भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोकने की मांग की है।

आंगनबाड़ी में आंगन उत्सव आयोजित, दो बच्चों का अन्नप्राशन व तीन की गोदभराई

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के गलरा गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर सीडीपीओ दिलीप कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आंगन उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान दो बच्चों का अन्नप्राशन व तीन गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई। सीडीपीओ ने बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया तथा गर्भवती महिलाओं को पोषाहार व फल की टोकरी देकर उनके स्वस्थ रहने की कामना की। इस दौरान सीडीपीओ दिलीप कुमार ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से कुपोषण मुक्त अभियान चला रही है। गर्भवती महिलाओं व बच्चों को समय से पुष्टाहार व टीकाकरण मिलना चाहिए। कार्यक्रम में सुपरवाइजर रिया दुबे, आशा संगिनी आरती मिश्रा आशा कार्यकर्ता नीतू मिश्रा, रन्नो देवी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गुड़िया मिश्रा, सहायिका अजय कुमारी व ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

नमो सेवा- अनकही कहानियां’ नुक्कड़ नाटक से दिया सेवा का सदेश

बस्ती। सेवा संकल्प अभियान के तहत 309 रुधौली विधानसभा क्षेत्र के दुबौली स्थित हैप्पी मैरिज हाल में ‘नमो सेवा–अनकही कहानियां’ नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से जनसेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और जनकल्याण से जुड़े कार्यों के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सेवा और समाज के प्रति जिम्मेदारी से जुड़े विभिन्न संदेश प्रस्तुत किए।कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिलीप पाण्डेय, जिला महामंत्री अमृत वर्मा, 309 रुधौली विधानसभा क्षेत्र की पूर्व भाजपा प्रत्याशी संगीता प्रताप जायसवाल, रामनगर मंडल अध्यक्ष गिरजेश यादव, सल्टौआ मंडल अध्यक्ष, रामनगर ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष मंटू दूबे तथा जिला पंचायत सदस्य प्रिंस जायसवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। संगीता जायसवाल ने कहा कि यह पहल सराहनीय है।नुक्कड़ नाटक के दौरान जनसेवा को समाज के विकास से जोड़ते हुए लोगों को सामाजिक कार्यों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से आम लोगों तक सेवा, सामाजिक सरोकार और जनकल्याण से जुड़े संदेशों को सरल तरीके से पहुंचाया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नाटक की प्रस्तुति को देखा और कलाकारों के प्रयासों की सराहना की।इस अवसर पर प्रधान शंभू जायसवाल, नीलू दूबे, बंटू तिवारी, बाबूलाल, राम सजन, जय राम चौधरी, तबारक हुसैन, संजय पाण्डेय, घारीलाल, विकास शर्मा, आशीष चौधरी, संजय चौबे, आकाश श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, विष्णु जायसवाल, भोला सिंह, विक्की सिंह, मोनू पाठक, अनिल मिश्रा, विपिन जायसवाल, अनिल सिंह, गिरजेश मिश्रा और गौरव वर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस पर सम्मानित हुई विभतियां: वृद्धा आश्रम की आवश्यकता पर विमर्श

समाज जागरूक हो तो वृद्धा आश्रमों की आवश्यकता नहीं पड़ेगी–देवेन्द्र कुमार

बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध जन दिवस के अवसर पर गुरूवार को वृद्धा आश्रम बनकटा में वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के संयोजन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवेन्द्र कुमार ने कहा कि समाज जागरूक हो तो भारत जैसे सांस्कृतिक देश में वृद्धा आश्रमों की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। वरिष्ठ चिकित्सक साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि वृद्ध जनों के आदर से ही समाज विकसित और खुशहाल रहेगा, हमें उनके अनुभवों से लाभ उठाना चाहिये। कहा कि वृद्ध जनों को नई पीढी बोझ न समझे, वे नींव की ईट है। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के महामंत्री वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि वृद्ध जनों को न्याय दिलाने के लिये वे सदैव तत्पर है।कार्यक्रम में रामदत्त जोशी, ओम प्रकाशनाथ मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र, जे.पी.राव, बी.के. मिश्र, कौशल किशोर श्रीवास्तव ने कहा कि वृद्ध जन परिवार, समाज और देश की महत्वपूर्ण कड़ी है। कहा कि वृद्ध जनों को आदर के साथ उनके साथ खुशियों को साझा करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर वृद्धा आश्रम के सभी लोगों में फल, वस्त्र मिष्ठान वितरित करने के साथ ही वृद्धाआश्रम के संचालक एवं किसान सेवा संस्थान के अध्यक्ष अतुल शुक्ल द्वारा बी.एन. शुक्ल , श्याम प्रकाश शर्मा बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, पं. सदानन्द शर्मा, प्रदीप श्रीवास्तव, जलालुद्दीन कुरेशी, राम विलास शर्मा आदि को उनके योगदान के लिये अंग वस्त्र, श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये बी.एन. शुक्ल ने वृद्ध जनों की स्थिति, आवश्यकता, समाज के बदलते सन्दर्भो पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सेन्ट्रल एकेडमी में संकल्पों के साथ याद किये गये बापू-शास्त्री

बस्ती। सेन्ट्रल एकेडमी में गुरूवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। छात्रों ने बापू–शास्त्री की वेष भूषा धारण करने के साथ ही देश के प्रति उनके योगदान को रेखांकित किया।निदेशक जे.पी. तिवारी ने कहा कि महात्मा गांधी का का जीवन सत्य, सद्भाव और समानता पर आधारित रहा है, जो हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। यह संयोग ही है कि देश के दो महान महापुरूष बापू–शास्त्री की जन्म जयंती एक ही दिन मनाया जाता है। शास्त्री जी ने अपने विचारों, आदर्शों और कर्मठता से भारतीय राजनीति में एक अलग पहचान बनाई। उनका दिया हुआ ‘जय जवान, जय किसान’ का नारा आज भी देश के सैनिकों और किसानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। शास्त्री जी महात्मा गांधी से काफी प्रभावित थे और उन्होंने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होने छात्रों का आवाहन किया कि वे बापू–शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढे।

श्रीलांका से 63 रन की हार के बाद बंगलादेश कप्तान लिटन दास ने किया कप्तानी छोड़ने से इनकार

एशियाई खेलों में श्रीलंका के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबला 63 रन से गंवाने के बाद बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने कप्तानी छोड़ने से मना कर दिया है। उन्होंने अपनी खराब बल्लेबाजी स्वीकार की, लेकिन टीम होटल मामले में खिलाड़ियों का बचाव करते हुए सुविधाओं पर सवाल उठाए। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के लिए एशियाई खेलों का अभियान निराशाजनक रहा है। टीम कांस्य पदक के मुकाबले में श्रीलंका से 63 रन से हार गई और पहली बार एशियाई खेलों में क्रिकेट से कोई पदक हासिल नहीं कर सकी। इस हार के बाद कप्तान लिटन दास की कप्तानी पर भी सवाल उठने लगे हैं, लेकिन उन्होंने पद छोड़ने की किसी संभावना से साफ इनकार किया है।बता दें कि कांस्य पदक के मुकाबले में श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टीम ने शुरुआती दौर में 21 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद थारिंदु रत्नायके ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 65 रन की तेज पारी खेली और मुकाबले का रुख बदल दिया। उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका मुश्किल स्थिति से बाहर निकलने में सफल रहा और अंत में बांग्लादेश को 63 रन से हरा दिया।मौजूद जानकारी के अनुसार, मुकाबले के बाद लिटन दास ने माना कि बांग्लादेश की टीम अपने स्तर के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। उन्होंने खास तौर पर थारिंदु रत्नायके की पारी की तारीफ की। लिटन के मुताबिक, बांग्लादेश के गेंदबाजों ने शुरुआती 8 ओवर में अच्छी गेंदबाजी की थी, लेकिन इसके बाद रत्नायके ने जिस तरह के शॉट खेले, उससे गेंदबाजों के लिए वापसी करना मुश्किल हो गया।लिटन ने कहा कि रत्नायके ने असाधारण बल्लेबाजी की और बांग्लादेश के गेंदबाजों के पास उन्हें रोकने का कोई आसान तरीका नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि जब बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरी तो वह श्रीलंका के स्कोर का सही जवाब नहीं दे सकी। टीम की बल्लेबाजी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और इसी वजह से मुकाबला हाथ से निकल गया।कप्तान के तौर पर खुद लिटन का प्रदर्शन भी इस प्रतियोगिता में अच्छा नहीं रहा। उन्होंने एशियाई खेलों में बांग्लादेश के 2 मुकाबलों में क्रमशः 2 और 0 रन बनाए। उन्होंने खुद माना कि उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने कप्तानी छोड़ने की बात को खारिज कर दिया।लिटन ने कहा कि क्रिकेट में उतार–चढ़ाव आते रहते हैं। एक दिन प्रदर्शन अच्छा होता है और दूसरे दिन खराब हो सकता है। उन्होंने कहा कि वह बड़े लक्ष्य के साथ एशियाई खेलों में आए थे और उसे पूरा नहीं कर पाने का उन्हें भी दुख है, लेकिन सिर्फ इस वजह से कप्तानी छोड़ने का कोई मतलब नहीं है। उनका कहना है कि बांग्लादेश

की टीम ने पहले भी काफी कुछ हासिल किया है और भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश जारी रखेगी।गौरतलब है कि हार के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों के टीम होटल से बिना अधिकारियों को जानकारी दिए बाहर जाने की खबरें भी सामने आई हैं। ऐसी चर्चा थी कि इस मामले में खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है। हालांकि, लिटन ने खिलाड़ियों का बचाव किया और टीम को मिलने वाली सुविधाओं पर सवाल उठाए हैं।लिटन के मुताबिक खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए उचित जगह चाहिए और अगर होटल या एशियाई खेलों की ओर से उपलब्ध कराई गई भोजन व्यवस्था उनकी जरूरत के मुताबिक नहीं है, तो खिलाड़ियों को बाहर जाकर खाना पड़ सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या किसी खिलाड़ी को पूरे दिन होटल के कमरे में ही बंद रहना चाहिए।लिटन ने कहा कि खिलाड़ियों को ऊर्जा की जरूरत होती है और उनकी जरूरतों को समझना जरूरी है। उनके मुताबिक खिलाड़ियों ने बाहर जाकर खाना इसी वजह से खाया था। बता दें कि बांग्लादेश के लिए एशियाई खेलों में यह

नतीजा खास तौर पर निराशाजनक है, क्योंकि टीम इससे पहले क्रिकेट प्रतियोगिता में पदक जीतती रही है। इस बार बिना पदक लौटने के बाद टीम के प्रदर्शन, कप्तानी और खिलाड़ियों की तैयारियों को लेकर चर्चा बढ़ गई है।

वसीम जाफर का दावा विराट कोहली के बाद ओडीआई में नंबर 3 पर तिलक वर्मा बनेंगे मजबूत विकल्प

पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि वनडे क्रिकेट में विराट कोहली के बाद नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए तिलक वर्मा सबसे मजबूत विकल्प हैं। कोहली 2027 विश्व कप को अपना आखिरी विश्व कप बता चुके हैं। तिलक वर्मा ने अब तक 4 वनडे खेले हैं और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत करीब 55 है। भारतीय क्रिकेट टीम में विराट कोहली के बाद नंबर 3 की जिम्मेदारी किस बल्लेबाज को मिलेगी, इसे लेकर अभी से चर्चा शुरू हो गई है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि तिलक वर्मा इस भूमिका के लिए एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं। उनका कहना है कि तिलक में अलग–अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने और परिस्थिति के हिसाब से अपना खेल बदलने की अच्छी क्षमता है।बता दें कि विराट कोहली ने साफ कर दिया है कि 2027 का वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा। ऐसे में भारतीय टीम को लंबे समय से नंबर 3 पर बल्लेबाजी कर रहे कोहली का विकल्प तैयार करना होगा। कोहली ने इस स्थान पर करीब 15 साल तक टीम को मजबूती दी है और उनके जाने के बाद शीर्ष क्रम में एक बड़ी जगह खाली होने वाली है।वसीम जाफर ने अपने यूट्यूब चौनल पर तिलक वर्मा की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि तिलक पहले नंबर 3 पर शतक लगा चुके हैं और इसके बाद टी20 क्रिकेट में नंबर 5 और नंबर 6 पर भी अच्छी तरह से बल्लेबाजी कर चुके हैं। जाफर के मुताबिक, एक बल्लेबाज के लिए अलग–अलग क्रम पर सफलतापूर्वक खेलना बड़ी खूबी है और तिलक में यह क्षमता नजर आती है।गौरतलब है कि जाफर ने भारतीय टीम के भविष्य के शीर्ष क्रम को लेकर एक और संभावना भी सामने रखी है। उनका मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के जाने के बाद भारत के शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी बढ़ सकती है। रोहित शर्मा की जगह यशस्वी जायसवाल को सलामी बल्लेबाज के रूप में देखा जा सकता है, जबकि कोहली की जगह तिलक वर्मा जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज को मौका मिल सकता है।जाफर ने तिलक की प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बल्लेबाजी का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, तिलक का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत करीब 55 का है और वह तीनों प्रारूपों में आसानी से अपनी जगह बनाने की क्षमता रखते हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन इस बात का संकेत देता है कि उनके पास लंबी पारी खेलने की तकनीक भी मौजूद है।हालांकि, तिलक के लिए तिलक अकेले दावेदार नहीं होंगे और टीम प्रबंधन को आने वाले समय में कई खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिल सकता है।मौजूद जानकारी के

सामने सबसे बड़ी चुनौती वनडे क्रिकेट में अनुभव की कमी है। उन्होंने भारत के लिए अब तक केवल 4 वनडे मुकाबले खेले हैं। इनमें उन्होंने 2 बार नंबर 3, जबकि 1–1 बार नंबर 4 और नंबर 5 पर बल्लेबाजी की है। इन मुकाबलों में उन्होंने कुल 68 रन बनाए हैं और उनका औसत 22.67 रहा है।तिलक का आखिरी वनडे मुकाबला दिसंबर 2025 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आया था। उसी सीरीज में रुतुराज गायकवाड़ ने नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए शतक भी लगाया था। ऐसे में नंबर 3 के अनुसार, कोहली की जगह भरना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होगा। नंबर 3 पर भारत को सिर्फ रन बनाने वाला खिलाड़ी नहीं, बल्कि दबाव में पारी संभालने और जरूरत के मुताबिक तेजी से रन बनाने वाला बल्लेबाज चाहिए। कोहली ने वर्षों तक यह भूमिका निभाई है और उनके जाने के बाद टीम को ऐसा विकल्प तैयार करना होगा जो लंबे समय तक इस जिम्मेदारी को निभा सके।

आईसीसी वर्ड कप 2027 की तैयारी अगली ओडीआई सीरीज से तय संयोजन के साथ खेलना चाहते है शुभमन गिल

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आगामी एकदिवसीय मैचों में संभावित संयोजन के साथ

नियमित खेलने की बात कही है। मुख्य गेंदबाजों की चोटों और अनुपस्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि अब प्रयोग का समय नहीं है। उन्होंने टीम के खराब क्षेत्ररक्षण और छूटे कैचों में सुधार की आवश्यकता भी जताई। चोटों और व्यस्त कार्यक्रम के कारण स्थायी एकादश नहीं उतार पाने से चिंतित भारतीय कप्तान शुभमन गिल चाहते हैं कि आगामी एकदिवसीय मुकाबलों में उन खिलाड़ियों को नियमित मौके दिए जाएं जिनके 2027 के आईसीसी विश्व कप में खेलने की संभावना है। भारत ने हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई तीन मैच की शृंखला में बड़े पैमाने पर दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को मौका दिया। भारत ने यह श्रृंखला 2–1 से जीती। हालांकि एशियाई खेलों में हिस्सा लेने गए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे नियमित खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाजी में अपेक्षित धार नहीं दिखी। इसके अलावा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी गुवाहाटी में दूसरे एकदिवसीय के दौरान चोटिल खिलाड़ियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गए। गिल ने तीसरे एकदिवसीय में पांच विकेट की हार के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो प्रयोग करने के लिए ज्यादा समय नहीं है। उम्मीद है कि हम जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं वे सभी खिलाड़ी अगली श्रृंखला से टीम में होंगे और हम विश्व कप में जिस संयोजन के साथ खेलना चाहते हैं उसी के साथ खेलना शुरू करना चाहते हैं।'' आईसीसी के इस प्रमुख टूर्नामेंट से पहले सीमित संख्या में एकदिवसीय मुकाबलों को देखते हुए गिल को मुख्य गेंदबाजों की लगातार अनुपस्थिति निराशाजनक लगी। उन्होंने कहा, ''मैं कहूंगा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा है। चोटों और अन्य मुकाबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे।'' हालांकि गिल ने कहा कि इससे नए गेंदबाजों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका भी मिलता है।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह दूसरे खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका है। अगर हमारी पूरी ताकत वाला गेंदबाजी क्रम उपलब्ध होता तो शायद इनमें से कुछ खिलाड़ी टीम में नहीं होते। इसलिए यह उनके लिए अपनी क्षमता दिखाने का शानदार अवसर है।'' भारत के तीन मैच में पावरप्ले के दौरान शुरुआती विकेट हासिल नहीं कर पाने पर गिल ने कहा कि शुरुआत में विकेट नहीं मिलने से टीम को नुकसान हुआ। शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम वनडे में वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने नाबाद 162 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को 352 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दिलाई। गिल ने कई कैच छोड़ने पर निराशा जताई और कहा कि इससे टीम की लय टूटी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने आज करीब तीन या चार कैच छोड़े और मुझे नहीं लगता कि शाई होप का कैच छूटा था। फिर भी तीन–चार कैच छोड़ने से टीम की लय टूटती है।'' गिल ने कहा, ''पूरी श्रृंखला में हमारा क्षेत्ररक्षण उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। अगर मैं गलत नहीं हूं तो हमने पूरी श्रृंखला में करीब सात कैच छोड़े। विश्व कप की ओर बढ़ते हुए ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें निश्चित रूप से सुधार करना होगा।'' तेज गेंदबाज आकिब नबी और अंशुल कंबोज ने इस श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया लेकिन गिल ने माना कि दोनों गेंदबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वे इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन करना चाहते होंगे। आकर तुरंत प्रदर्शन करना आसान नहीं है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कभी–कभी आपको थोड़ा समय चाहिए होता है।'' गिल ने कहा, ''बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो टीम में आते ही प्रदर्शन करना शुरू कर देते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि वे अपनी गलतियों और मिले मौकों से सीखेंगे।'' ऑलराउंडर नितीश रेड्डी को तीसरे एकदिवसीय में रविंद्र जडेजा की जगह टीम में शामिल किया गया, लेकिन गिल ने स्पष्ट किया कि अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को बाहर रखना मुख्य रूप से टीम संयोजन की मजबूरियों के कारण था। उन्होंने कहा, ''सबसे पहले तो मुझे नहीं लगता कि जड्डू भाई को बाहर किया गया था।

शुभमन गिल ने रोहित शर्मा और विराट कोहली की तारीफ की,वर्डकप के लिए मजबूत होगा टीम संयोजन

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी की। कोहली ने पहले वनडे में शतक बनाया, जबकि रोहित ने दूसरे मैच में शतक और तीसरे में 92 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल ने दोनों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि विश्व कप से पहले टीम संयोजन मजबूत करना जरूरी है। विराट कोहली और रोहित शर्मा की उम्र को लेकर भले ही लगातार सवाल उठ रहे हों, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में दोनों ने बल्ले से एक बार फिर अपनी अहमियत साबित की है। सीरीज में दोनों के शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी उनके योगदान और मौजूदा फॉर्म पर भरोसा जताया है। विराट कोहली ने सीरीज के पहले वनडे में शानदार शतक लगाया और अंत तक नाबाद रहे। इसके बाद दूसरे मुकाबले में रोहित शर्मा ने शतकीय पारी खेलकर अपनी फॉर्म का सबूत दिया। तीसरे और निर्णायक वनडे में भी रोहित शतक के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन 92 रन बनाकर आउट हो गए। इन पारियों ने एक बार फिर दिखाया है कि अनुभव के साथ दोनों बल्लेबाजों की मैच जिताने की क्षमता अब भी बरकरार है।गौरतलब है कि कोहली की उम्र 37 साल और रोहित की उम्र 39 साल है। ऐसे में भारतीय वनडे टीम में अगली पीढ़ी को तैयार करने और दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर चर्चा लगातार होती रही

है। हालांकि, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के बाद शुभमन गिल के बयान से साफ संकेत मिले हैं कि फिलहाल टीम प्रबंधन दोनों खिलाड़ियों को अपनी योजनाओं का हिस्सा मान रहा है।सीरीज के तीसरे मुकाबले के बाद पत्रकारों से बातचीत में गिल ने रोहित और कोहली के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि रोहित पिछले 4 पारियों में 3 शतक लगा चुके हैं और उनका बल्ला लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। गिल ने कोहली की बल्लेबाजी को भी शानदार बताया है। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल का भी जिक्र करते हुए कहा कि जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने टीम के लिए जरूरी योगदान दिया है।मौजूद जानकारी के अनुसार भारत के सामने अब 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी का लक्ष्य है। इसी वजह से यह चर्चा भी हो रही थी कि विश्व कप से पहले होने वाली द्विपक्षीय सीरीजओं में युवा खिलाड़ियों को ज्यादा मौके दिए जाएं और रोहित तथा कोहली को समय–समय पर आराम दिया जाए। हालांकि गिल का मानना है कि वनडे मुकाबलों की संख्या पहले की तुलना में कम हो गई है और ऐसे में प्रयोग के लिए ज्यादा समय उपलब्ध नहीं है।गिल ने साफ कहा है कि भारत को विश्व कप के लिए अपनी पसंदीदा टीम और संयोजन जल्द तय करना होगा। उनके मुताबिक जो खिलाड़ी विश्व कप में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे, उनके साथ लगातार मुकाबले खेलकर टीम को सही तालमेल बनाना चाहिए। कप्तान का मानना है कि बार–बार खिलाड़ियों को बदलने के बजाय विश्व कप की संभावित टीम को साथ खेलने का पर्याप्त मौका देना जरूरी है।

बता दें कि रोहित और कोहली दोनों भारतीय वनडे क्रिकेट के सबसे अनुभवी बल्लेबाजों में शामिल हैं। लंबे समय तक दोनों ने टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी है और कई बड़े मुकाबलों में अहम पारियां खेली हैं। हालिया सीरीज में भी दोनों का प्रदर्शन यह बताता है कि उम्र के बावजूद वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव छोड़ने की क्षमता रखते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम को वनडे क्रिकेट से करीब 1 महीने का ब्रेक मिलेगा। इसके बाद भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अगली वनडे सीरीज खेलनी है।

विदेशी पूंजी निकासी से फिसला Rupee, डालर के सामने पांच पैसे कमजोर होकर 96.30 पर हुआ बंद

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के बीच भारतीय मुद्रा सोमवार को पांच पैसे टूट गई। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में यह 96.20 पर खुली और कारोबार के अंत में 96.30 के स्तर पर बंद हुई। बाजार की नजर अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के फैसले पर टिकी है। मुंबई, पांच अक्टूबर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के कारण अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को पांच पैसे की गिरावट के साथ 96.30 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। कारोबार के दौरान भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 96 के अहम स्तर के आसपास सीमित दायरे में रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि जोखिम लेने की बढ़ती धारणा ने रुपये को सहारा दिया, हालांकि कारोबारी अब विदेशी पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आगामी मौद्रिक नीति निर्णय पर नजर बनाए हुए हैं।अंतरबैंक विदेशी

मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.20 प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान फिसलकर 96.31 के निचले स्तर तक आ गया। रुपया कारोबार के अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.30 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 96 के स्तर से नीचे लुढ़ककर 96.25 पर बंद हुआ था। 'गांधी जयंती' के अवसर पर शुक्रवार को विदेशी मुद्रा बाजार और शेयर बाजार बंद थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''जोखिम उठाने की बढ़ती धारणा ने घरेलू मुद्रा को अतिरिक्त समर्थन दिया, हालांकि, अब सभी की निगाहें आरबीआई के मौद्रिक नीति फैसले और विदेशी पूंजी प्रवाह पर टिकी होंगी। आने वाले वक्त में रुपये के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.95 से 96.50 के बीच रहने की संभावना है।'' रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन–दिन की बैठक सोमवार को शुरू हुई।पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष से घरेलू मुद्रास्फीति के लिए जोखिम पैदा होने के कारण केंद्रीय बैंक नीति दरों में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 प्रतिशत बढ़कर 102.18 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 102.48 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 9,484.22 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

पाकिस्तान के खिलाफ टीम इण्डिया की रणनीतिक जीत,अयार ने बताया कैसे बदला मैच का

2026 एशियाई खेलों के फाइनल में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीता। भारत ने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के अर्धशतकों के दम पर 211 रन

बनाए थे। कप्तान श्रेयस अय्यर ने बारिश के कारण प्रैक्टिस न मिलने के बावजूद शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया की चौंपियन सोच की सराहना की। शनिवार को चल रहे 2026 एशियाई खेलों में पाकिस्तान के खिलाफ गोल्ड मेडल मैच में टीम इंडिया को 19 रन से रोमांचक जीत दिलाने के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने खुशी जाहिर की। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने क्रिकेट में श्गोल्डन डबलश पूरा किया। अय्यर ने टीम की तारीफ की कि जापान में भारी बारिश के कारण खिलाड़ियों को लगभग एक हफ्ते तक प्रैक्टिस करने का मौका नहीं मिला, फिर भी उन्होंने अपना फोकस बनाए रखा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने जब भी मुमकिन हुआ, ट्रेनिंग जारी रखी और प्रैक्टिस न हो पाने का कोई बहाना नहीं बनाया। शनिवार को चल रहे एशियाई खेलों में महिला टीम के बाद, पुरुष टीम ने अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और अक्षर पटेल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गोल्ड मेडल के मुकाबले में पाकिस्तान को 19 रन से हराया। मैच के बाद अय्यर ने कहा कि अगर मुझे एक शब्द इस्तेमाल करना हो, तो मैं श्बेहद खुशश कहूंगा क्योंकि जिस दिन हम जापान पहुंचे, उस दिन से ही जोरदार बारिश हो रही थी और हम लगभग एक हफ्ते तक प्रैक्टिस नहीं कर पाए। लेकिन लड़कों ने जिस तरह से खुद को तैयार किया और साथ–साथ ट्रेनिंग भी जारी रखी, हमने कोई शिकायत नहीं कीय हमने कोई बहाना नहीं बनाया। यह एक चौंपियन टीम की निशानी थी। और आज का दिन उसी का नतीजा था। उन्होंने आगे कहा कि वे अच्छी तरह से खेल रहे थे और बीच में उन्हें मोमेंटम भी मिल गया था। मैं बस यह चाहता था कि पांचवें (बॉलर) का ओवर जल्द से जल्द खत्म हो जाए, और फिर बुमराह और वाशी जैसे मुख्य बॉलर भी गेंदबाजी के लिए तैयार थे।

तो मैंने उनके ओवरों को अच्छी तरह से मैनेज किया। मुझे ऐसा ही लगा। और खासकर जब रन रेट 13 से 14 के आसपास हो, तो हमें पता होता है कि बल्लेबाज आक्रामक खेलेंगे, और एक विकेट से मोमेंटम बदल सकता है, हमारी तरफ आ सकता है। तो ऐसा ही हुआ, और उस बल्लेबाज (अयूब) का अहम विकेट... मुझे नाम याद नहीं आ रहा है, लेकिन उसी ने मोमेंटम बदल दिया। 212 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए, पाकिस्तान के हसन नवाज ने अकेले दम पर संघर्ष किया और सिर्फ 51 गेंदों में 96 रन बनाए। हालांकि, भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखाय वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने दो–दो विकेट लिए। इससे पहले, शनिवार को निशिन में 2026 एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने 20 ओवर में 211/6 का मजबूत स्कोर बनाया।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 sheelshukla100@gmail.com

किरण अब्बावरम की पौराणिक एक्शन-फंतासी फिल्म इंद्रपुत्र का ऐलान, पोस्टर के साथ रिलीज डेट की भी घोषणा

चेन्नई लव स्टोरी के बाद किरण अब्बावरम ने माइथोलॉजिकल एक्शन फैंटेसी फिल्म इंद्रपुत्र की घोषणा की है। श्रीकांत पुप्पाला के निर्देशन में बन रही यह फिल्म धर्म बनाम अधर्म पर आधारित एक नई दुनिया को पेश करेगी। यह प्रोजेक्ट अभी प्री–प्रोडक्शन स्टेज में है और इसकी शूटिंग अक्टूबर 2026 में शुरू होगी।इंद्रपुत्र के साथ किरण अब्बावरम एक नए और बोल्ड जॉनर में कदम रख रहे हैं, जिसमें वे एक जटिल माइथोलॉजिकल किरदार निभाएंगे। वे इसे एक अनोखा प्रोजेक्ट मानते हैं और कहते हैं कि यह उनके सिनेमैटिक विजन से मेल खाता है। इस रोल के लिए इमोशनल गहराई और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन की जरूरत है, जो उन्हें उनकी पिछली रोमांटिक और यूथ–ओरिएंटेड फिल्मों से बिल्कुल अलग दिखाएगा।इंद्रपुत्र श्रीकांत पुप्पाला के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी वे इससे पहले कांतारा ए लीजेंड चौप्टर 1 में ऋषभ शेट्टी के साथ फर्स्ट असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। उनका कहना है कि भारतीय माइथोलॉजी को बड़े विजुअल स्केल पर पेश करना उनका लंबे समय से देखा गया सपना था।

किरण की ईमानदारी और काम के प्रति उनका जुनून उन्हें इस एपिक फिल्म का लीड एक्टर बनने के लिए एकदम सही बनाता है।इंद्रपुत्र की मुख्य शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। कास्ट और क्रू की जानकारी जल्द ही सामने आएगी।

किरण को आखिरी बार 24 जुलाई 2026 को रिलीज हुई फिल्म चेन्नई लव स्टोरी में श्री गौरी प्रिया के साथ देखा गया था। अब फैंस इस बड़े फैंटेसी प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोरा द्वारा निर्मित और कीर्तन और कुसुम अरोरा द्वारा सह–निर्मित, इंद्रपुत्र फिलहाल पूर्व–निर्माण चरण में है। इसकी शूटिंग अगले महीने अक्टूबर से शुरू होगी।

मुख्य अभिनेता के रूप में अब्बावरम को चुना गया है, जिन्होंने 2019 में रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म राजा वारू रानी गारू से डेब्यू किया था। अन्य कलाकारों और तकनीकी दल का ऐलान आने वाले समय में किया जाएगा।

फिल्म 2027 में दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी, लेकिन तारीख का खुलासा होना बाकी है।

रजनीकांत की जेलर 2 का गाना अला बोलेलो रिलीज, आधी उम्र की एक्ट्रेस शामना कासिम ने मचाई धूम

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता रजनीकांत एक साल से बड़े पर्दे से दूर हैं. अभिनेता की पिछली फिल्म कुली अगस्त 2025 में आई थी. हालांकि फैंस उनकी फिल्म जेलर 2 का इंतजार कर रहे हैं जो जल्द ही रिलीज होने वाली है. फिलहाल मेकर्स ने इसका गाना अला बोलेलो रिलीज किया है. इसमें रजनीकांत के सामने आधी उम्र की एक्ट्रेस शामना कासिम अपने डांस मूव्स से फैंस का दिल जीत रही हैं. गाना दर्शकों को पसंद आ रहा है.

हाल ही में अला बोलेलो गाने का प्रोमो रिलीज किया गया था तो केरल की ऑडियंस ने मलयालम शब्दों के गलत उच्चारण पर गाने की आलोचना की थी. हालांकि अब पूरा गाना सामने आने के बाद गाने को सोशल मीडिया पर प्यार मिल रहा है. मेकर्स ने अला बोलेलो का लिरिकल वर्जन रिलीज किया है.

गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने अपनी आवाज दी है. उनके अलावा निरंजना रमन, अपर्णा हरिकुमार और दीप्ति सुरेश ने भी इस गाने को गाया है. जबकि अनिरुद्ध रविचंदर ने गाने को संगीत भी दिया है. वहीं इसे लिखा है अरुणराजा कामराज ने.

मेकर्स ने 4 मिनट का लिरिकल सॉन्ग रिलीज किया है, जिसमें 37 साल की एक्ट्रेस शामना कासिम डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं. उन्होंने पारंपरिक कसावु साड़ी पहने डांस किया है. गाने के बीच–बीच में रजनीकांत (75 वर्ष) की भी झलक नजर आती है. कुल मिलाकर गाना एंटरटेनिंग है.

जेलर 2 रजनीकांत की साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर का सीक्वल है. जेलर 2 दुनियाभर में 15 अक्टूबर 2026 को रिलीज होगी. इसका डायरेक्शन नेल्सन दिलीप कुमार ने किया है और इसकी कहानी भी उन्होंने ही लिखी है. जबकि जेलर 2 को कलानिधि मारन ने सन पिक्चर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है.पहले पार्ट की तरह ही सीक्वल में भी रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन अहम रोल में नजर आएंगी. फिल्म का हिस्सा ऋत्विक, योगी बाबू, मिर्ना जैसे कलाकार भी हैं. साउथ के मशहूर एक्टर विजय सेतुपति इसमें कैमियो करते हुए नजर आएंगे. जबकि बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को लेकर भी ऐसी ही खबरें हैं.

अंजलि अरोड़ा ने भक्तिको धर्म से ऊपर बताया, कहा-सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने

अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और इंसानियत का किसी धर्म से कोई लेना–देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा–पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ष्ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन इंसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूं, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य इंसान की तरह देखूंगी।महाकाव्य श्री रामायण कथा के सेट के अपने अनुभव के बारे में

बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि क्रू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया।उन्होंने कहा, ष्हमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते - हैं। बता दें कि, महाकाव्य श्री रामायण कथा में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुग्गल रावण के किरदार में नजर आए हैं।

दृश्यम 3 की एडवांस बुकिंग ने मचाया तहलका, रिलीज से पहले ही कमा लिए करोड़ों

अजय देवगन की चर्चित फिल्म दृश्यम का तीसरा भाग दृश्यमरू द कन्क्लूजन 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई है। अब इसकी रिलीज से पहले 27 सितंबर से एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। शुरुआती बुकिंग को देखते हुए फिल्म के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करने और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी शुरुआत दर्ज करने की उम्मीद जताई जा रही है।दृश्यमरू द कन्क्लूजन की एडवांस बुकिंग को दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। रिलीज के पहले दिन 1.6 लाख टिकट बिके, जबकि दूसरे दिन भी एक लाख से ज्यादा टिकटों की बिक्री हुई।इस तरह 48 घंटे में फिल्म ने पूरे भारत में ओपनिंग वीकेंड के लिए 4 लाख से अधिक टिकट बेच दिए।ट्रेड अनुमानों के अनुसार, 29 सितंबर की सुबह तक फिल्म की एडवांस बुकिंग 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की हो चुकी थी।फिल्म ने दृश्यम 2 की 5.09 करोड़ रुपये की कुल एडवांस बुकिंग को पीछे छोड़ दिय है। पहले फिल्म की ओपनिंग 25–30 करोड़ रुपये रहने का अनुमान था, लेकिन अब ट्रेड विशेषज्ञ अपनी उम्मीदें बढ़ा रहे और बड़ी शुरुआत की संभावना जता रहे हैं।

दृश्यमरू द कन्क्लूजन में अजय का किरदार विजय सलगांवकर वापस आ रहा है। साथ ही तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और कमलेश सावंत जैसे कलाकर भी इसमें नजर आएंगे। कास्ट में नए शामिल होने वाले कलाकार जयदीप अहलावत, प्रकाश राज और सौरभ शुक्ला हैं।

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का नया गाना भाभी तबाही रिलीज

म्यूजिक कंपोजर जीवी. प्रकाश कुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म नई नवेली को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का नया गाना भाभी तबाही रिलीज कर दिया गया है। गाने में यामी गौतम धर फिल्म की लीड मोहिनी के किरदार में नजर आ रही हैं। गाने की खास बात इसका देसी अंदाज है, जिसमें भांगड़ा, रैप, क्लासिकल और हिप–हॉप जैसे अलग–अलग म्यूजिक स्टाइल को एक साथ जोड़ा गया है। प्रकाश कुमार का कहना है कि इस गाने को बनाते समय उनका मकसद कुछ ऐसा तैयार करना था, जिसमें खूब मस्ती हो और सुनते ही एनर्जी महसूस हो।

जी.वी. प्रकाश कुमार ने कहा, गाने को बनाते समय मैंने साउंड के साथ कई एक्सपेरिमेंट किए। गाने में देसी फ्लेवर रखा गया है, लेकिन साथ ही इसे फ्रेश और एनर्जेटिक बनाने पर भी ध्यान दिया गया। मेरी कोशिश थी कि गाना सुनने वालों को पहले से अनुमान लगाने का मौका न दे और इसकी धुनों में कुछ अलग महसूस हो।

उन्होंने कहा, गाने में गीतकार वायु के लिखे बोल शरारती अंदाज लेकर आते हैं, जबकि नीति मोहन की आवाज ने इसमें एक अलग पहचान जोड़ दी है। यामी गौतम ने भी अपने किरदार को अच्छी तरह समझा और उसी हिसाब से परफॉर्म किया। पूरे गाने में थोड़ी सी मस्ती है, जो इसे और मजेदार बनाता है। यह एक ऐसा गाना है, जिसे किसी फैमिली सेलिब्रेशन में बजाया जा सकता है।

बता दें कि भाभी तबाही को शादी के सेलिब्रेशन के बैकग्राउंड में फिल्माया गया है। वीडियो में यामी गौतम सेंटर स्टेज पर नजर आती हैं और इसी सेलिब्रेशन के बीच परिवार में उनकी खास एंट्री होती है। गाने में भांगड़ा, रैप, क्लासिकल और हिप–हॉप का मेल देखने को मिलता है।

गाने के कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने भी यामी की परफॉर्मेंस की तारीफ की। उन्होंने कहा, भाभी तबाही गाना मेरे लिए कोरियोग्राफ किए गए सबसे मजेदार गानों में से एक रहा। यामी फिल्म में मोहिनी का किरदार निभा रही हैं और इस किरदार की अपनी एक अलग पर्सनैलिटी है। मोहिनी एक ही बीट पर अपने एक्सप्रेशन और डांस स्टाइल बदल सकती है। इसलिए कोरियोग्राफी में भी वही कॉन्फिडेंस और थोड़ी शरारत रखने की कोशिश की गई।विजय ने कहा, गाने का हिस्सा स्क्रिप्ट

में पहले से ही काफी मजेदार तरीके से लिखा गया था, खासकर देवर–भाभी के बीच होने वाला आमना–सामना। इसी वजह से इसे कोरियोग्राफ करना मेरे लिए दिलचस्प रहा।नई नवेली में यामी गौतम धर के साथ अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवर, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुष्मिता मुखर्जी, सोनल झा, सुनील सिन्हा, प्रतीक पचोरी, अक्षत सिंह, बबीता पांडे, अजय पाल और नीरज सिंह भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म को आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा ने प्रोड्यूस किया है।

तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी, जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में दिखेगा अनोखा सफर

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की अपकमिंग फिल्म जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में नजर आएंगी। फिल्म में तनीषा ऐसा किरदार निभा रही हैं जो जिंदगी के अलग–अलग पड़ावों से गुजरता है। फिल्ममेकर कपिल ने तनीषा की तारीफ करते हुए कहा कि इस किरदार के लिए उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत थी जो कहानी में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग–अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे।कपिल ने आगे कहा, फिल्म जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए बेहद खास है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी में छिपी खूबसूरती के बारे में है। तनीषा ने अपने किरदार में एक खास तरह की संवेदनशीलता जोड़ी है, जो कहानी के लिए काफी अहम है।जिंदगी फिर भी खूबसूरत है की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई के असली पारसी घरों और दादर पारसी कॉलोनी में की गई है।फिल्म को पर्दे पर ज्यादा वास्तविक दिखाने के लिए कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ मिलकर भी काम किया। इस दौरान उनकी संस्कृति, रहन–सहन, बोलचाल, तौर–तरीकों और डायलेक्ट को समझने पर खास ध्यान दिया गया, ताकि फिल्म में कम्युनिटी की जिंदगी को सही तरीके से दिखाया जा सके।फिल्म की कहानी लिखने के साथ कपिल कौस्तुभ शर्मा ने इसे डायरेक्ट भी किया है। इसके अलावा, वह फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। कपिल फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसकी कहानी जिंदगी के अलग–अलग पड़ावों को दिखाती है। किरदार के उम्रदराज हिस्से को पर्दे पर दिखाने के लिए उन्होंने लुक में फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है।फिल्म में सुष्मिता मुखर्जी, परवीन दस्तूर, डेलनाज ईरानी, तनाज

ईरानी, शाहरुख साइरस ईरानी, डॉली ठाकोर और अनन्या दत्ता जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

जिंदगी फिर भी खूबसूरत है को पहले इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सर्किट में ले जाने की तैयारी है। इसके बाद फिल्म को थिएटर्स में रिलीज किए जाने की उम्मीद है।

उदिति सिंह ने करण वाही से रिश्ते पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- ब्रेकअप के बाद जिंदगी बदल गई

अभिनेत्री उदिति सिंह इस समय रियलिटी शो बिग बॉस–20 में नजर आ रही हैं। शो के दौरान उदिति ने अपने एक्स–बॉयफ्रेंड और अभिनेता करण वाही के साथ रिलेशनशिप को लेकर खुलकर बात की। उदिति ने बताया कि कैसे कोविड–19 लॉकडाउन के दौरान उनका रिश्ता खराब होने लगा था। साथी कंटेस्टेंट स्काउट से बात करते हुए उदिति ने कहा कि अलग होने के बाद उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पूरी तरह बदल गई। उदिति ने कहा, ब्रेकअप के बाद मेरे लिए यह एक तरह से वरदान साबित हुआ। क्योंकि उसके बाद मेरा पूरा करियर, मेरी पूरी लाइफ, सब कुछ बदल गया था।

उन्होंने आगे बताया कि लॉकडाउन के दौरान उन्होंने और उनके एक्स–पार्टनर ने एक गोल्डन रिट्रीवर डॉग को अडॉप्ट किया था, जिसका नाम नोआ है। उदिति सिंह ने कहा, हमने लॉकडाउन में साथ में नोआ नाम का गोल्डन रिट्रीवर लिया था, तो उसी को लेकर हमारे बीच काफी झगड़े शुरू हो गए थे। उस वक्त कोविड भी था, तो हम दोनों पर सफाई का काफी काम रहता था। मेरा सफाई करने का तरीका अलग था और उसका अलग। फिर वह इस बात को लेकर थोड़ा डॉमिनेट भी करता था और कहता था, तुम्हें नहीं आता। क्योंकि वह उम्र को लेकर बहुत ज्यादा सोचता था, उसके लिए हर चीज ऐसी थी कि तुमसे नहीं हो पाएगा। तुम्हें ये–वो नहीं आता।, तुम नोआ को नहीं संभाल पाओगी। तो मुझे लगता था कि मेरा पार्टनर बहुत डीमोटिवेट करने वाला है।उदिति ने आगे कहा, ऐसा ही होता है, जब दो लोगों का एक होना नहीं लिखा होता है, तो बात–बात पर लड़ाई होती है और जब एक होना लिखा होता है,

तब सब कुछ अच्छा होता है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।